Adda247 GET IT ON Google Play

एल.टी ग्रेड परीक्षा, 2018

वाणिज्य

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

1. Unpaid calls are
अदत्त याचनाएँ

(a) added in called-up capital
माँगी गयी पूँजी में जोड़ी जाती हैं
(b) deducted from called-up capital
माँगी गयी पूँजी में से घटाई जाती है
(c) deducted from profit/लाभ में से घटायी जाती है
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : अदत्त याचनाएँ (Unpaid Calls), माँगी गयी पूँजी में से घटाई जाती है। जब कुछ अशंधारी याचना किया हुआ धन कम्पनी को नहीं देते है, तो जो रकम उनके द्वारा भुगतान होने से रह जाती है, उसे अवशिष्ट याचना कहा जाता है। इस खाते के शेष को चिट्ठे में दायित्व की ओर पूँजी में से घटाकर दिखायी जाती है।

2. A department transferred goods to B department at cost + 25%. Out of it, stock of ₹ 10,000 remains with B department. Therefore, the amount of stock reserve will be
A विभाग ने लागत + 25% पर माल का अन्तरण B विभाग को किया। इसमें से ₹10,000 का स्टॉक B विभाग में बच जाता है। अत: स्टॉक संचय की राशि होगी

(a) ₹ 2,500 (b) ₹ 2,000
(c) ₹ 3,000 (d) ₹ 3,500

Ans. (b) : A विभाग ने लागत + 25% पर माल का अन्तरण B विभाग को किया। इसमें से ₹10,000 का स्टॉक B विभाग में बच जाता है, तब -

स्टॉक संचय की राशि $= \frac{10,000 \times 25}{100+25}$

$= ₹2000$

3. Hire-purchase price of a machinery is ₹30,000 and its cash price is ₹24,000. Payment is to be made in three equal installments. State the interest of second installment.
एक मशीन का किराया-क्रय मूल्य ₹30,000 है और रोकड़ मूल्य ₹24,000 है। भुगतान तीन समान किस्तों में होना है। द्वितीय किस्त का ब्याज बताइए।

(a) ₹ 1,500 (b) ₹ 3,000
(c) ₹ 2,000 (d) ₹ 2,400

Ans. (c) : एक मशीन का किराया क्रय मूल्य 30,000 है और रोकड़ मूल्य 24,000 है। भुगतान तीन समान किश्तों में होना है, तब-

कुल ब्याज राशि = किराया क्रय मूल्य - रोकड़ मूल्य

$= 30,000 - 24000$

$= ₹6,000$

किश्त की राशि समान होने तथा समय समान होने पर- (ब्याज को विपरीत अनुपात 3:2:1 में बाँटा जाता है।)

अत:

द्वितीय किश्त का ब्याज $= \frac{6,000 \times 2}{6}$

$= ₹2,000$

4. The balance of Short workings A/c is shown in
लघुकार्य खाता की बची हुई राशि दिखायी जाती है

(a) Assets side of Balance sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side of Balance sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(c) Debit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(d) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

Ans. (c) : लघुकार्य खाता की बची हुई राशि को लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में दिखाया जाता है। लघुकार्य राशि को अधिकार शुल्क की अधिक राशि में से अपलिखित (Write off) करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इसकी उतनी ही राशि अपलिखित की जाय जिससे कि अधिकार शुल्क की राशि न्यूनतम किराए की राशि से कम न हो जाय। जब लघुकार्य राशि को अपलिखित करने की निर्धारित अवधि समाप्त हो जाती है, तो लघुकार्य राशि खाते की बाकी को, यदि कोई हो, लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।- यथा-

Profit & Loss A/c Dr.
To Short workings A/c
(Being unrecouped balance of Shortworking transferred to P/L A/c)

5. In partnership, unrecorded liability is shown in new Balance Sheet in
साझेदारी में, अलिखित दायित्व को नये आर्थिक चिट्ठे में दिखाया जाता है

(a) Assets side/सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side/दायित्व पक्ष में
(c) Both sides/दोनों पक्षों में
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

80,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

20,000+ Previous Year Papers

500% Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Ans. (b) : साझेदारी में, अलिखित दायित्वों के भुगतान को यदि साझेदारी का विघटन हो रहा हो तो वसूली खाते में दिखाया जाता है। ये ऐसे दायित्व होते हैं, जिसका लेखा समापन के समय चिट्ठे में नही है, परन्तु समापन के दौरान, किसी पहले मुकदमें के समापन के समय निर्धारित होने के क्रम में वह फर्म का दायित्व बन जाये। जैसे- संदिग्ध दायित्व (Contingent Liability) अथवा विवादास्पद भुगतान के दावे आदि।
परन्तु प्रश्न में ऐसा कहीं भी इंगित नहीं है कि साझेदारी का समापन हो रहा है। अत: सामान्य अवस्था में यदि कोई ऐसा दायित्व प्रकट होता है जो आर्थिक चिट्ठे में इंगित नहीं है तो उसे साधारण रूप से आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में इंगित किया जायेगा।

6. Profit or loss on revaluation will be borne by
पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को वहन किया जायेगा
(a) all the partners/सभी साझेदारों द्वारा
(b) the new partners/नये साझेदारों द्वारा
(c) the old partners/पुराने साझेदारों द्वारा
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को पुराने साझेदारों द्वारा वहन किया जाता है। नये साझेदार के प्रवेश पर तथा पुराने साझेदार के जाने पर या किसी साझेदार की अवकाश पर हमेशा फर्म की सम्पत्तियों और दायित्वों का पुनर्मूल्यांक कर लाभ या हानि निकाली जाती है, जिसे पुराने साझेदारों के पूँजी खातों को लाभालाभ अनुपात में हस्तान्तरित कर दिया जाता है। इसके लिए एक खाता बनाया जाता है। जिसे पुनर्मूल्यांकन खाता या लाभ-हानि समायोजन खाता कहा जाता है।

7. If closing stock is shown in Trial Balance, then is should be shown in
यदि अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिखाया गया हो, तो उसे दिखाया जायेगा
(a) Trading A/c/व्यापार खाता में
(b) Balance Sheet/आर्थिक चिट्ठे में
(c) Cash A/c/रोकड़ खाता में
(d) Profit & Loss A/c/लाभ-हानि खाता में

Ans. (b) : यदि अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिखाया गया हो, उसे आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष की ओर दिखाया जाता है। कभी-कभी अन्तिम रहतिया तलपट के अन्दर दिया रहता है। इसका आशय है कि इसका मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति होने से पहले किया जा चुका है और यह राशि क्रय की राशि में से घटायी जा चुकी है। ऐसी दशा में क्रय समायोजित (Purchuse Adjusted) की राशि तलपट में दी रहती है। ऐसी दशा में उसे केवल आर्थिक चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष की ओर लिखा जाता है।

8. Income is measured on the basis of
आय मापी जाती है
(a) dual aspect concept/द्विपक्ष अवधारणा के आधार पर
(b) consistency concept
एकरूपता अवधारणा के आधार पर
(c) matching concept
अनुरूपता अवधारणा के आधार पर
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : आय अनुरुपता की अवधारणा के आधार पर मापी जाती है। लेखांकन के लिए अनुरुपता की अवधारणा आवश्यक है। इसका अर्थ यह हुआ कि शुद्ध लाभ का निर्धारण तभी ठीक हो सका है, जब जिस अवधि के लिए व्ययों को लिखा जाता है, आय की गणना सही-सही करने के लिए उसकी अनुरुपता व्ययों के सामान्य अवधि के लिए होना आवश्यक है। इसी सिद्धान्त का पालन करते हुए लेखपाल अदत्त व्ययों को जोड़ते है एवं पूर्वदत्त व्ययों को घटाते है। ठीक इसी तरह अर्जित आय जोड़ी जाती है और अनार्जित आय घटायी जाती है। इससे एक लेखांकन अवधि का शुद्ध लाभ ज्ञात करने में आसानी होती है।

9. A trader transfers 20% of his profit to General Reserve. On the basis of which concept, he does so?
एक व्यापारी अपने लाभ का 20% भाग सामान्य संचय में अन्तरित करता है। ऐसा वह किस अवधारणा के आधार पर करता है?
(a) Concept of conservatism
रूढ़िवादिता की अवधारणा
(b) Concept of uniformity/एकरूपता की अवधारणा
(c) Realization concept/वसूली की अवधारणा
(d) Money-measurement concept
मुद्रा-मापन की अवधारणा

Ans. (a) : एक व्यापारी अपने लाभ का 20% भाग सामान्य संचय में अन्तरित करता है, तो ऐसा वह रुढ़िवादिता का अवधारणा के आधार पर करता है। सामान्य शब्दों में रुढ़िवादी प्रथाओं का आशय उन प्रथाओं से है, जिनके अन्तर्गत भविष्य में होने वाली हानियों के लिए प्रावधान और संचय किया जाता है, किन्तु लाभ के लिए नहीं। सामान्य संचय का निर्माण ऐसे ही हानियों से बचने के लिये किया जाता है।

10. Transactions recorded on the basis of dual aspect concept is called
द्विपक्षी अवधारणा पर आधारित व्यवहारों के लेखा करने की प्रणाली कहलाती है
(a) Single-entry System/इकहरा लेखा प्रणाली
(b) Double-entry System/दोहरा लेखा प्रणाली
(c) Double Account System/दोहरा खाता प्रणाली
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : द्विपक्षीय अवधारणा पर आधारित व्यवहारों का लेखा करने की प्रणाली को दोहरा लेखा प्रणाली (Double Entry System) कहते है। लेखांकन की इस अवधारणा के अनुसार प्रत्येक सौदा दो खातों को प्रभावित करता है। इस प्रणाली में एक पक्ष को डेबिट तथा दूसरे पक्ष को क्रेडिट किया जाता है। व्यवसाय के सभी सौदे इस अवधारणा के आधार पर ही लिखे जाते है। इस अवधारणा के जनक ल्युकस पेसीयोली थे।
Note-
सम्पत्तियाँ = पूँजी + दायित्व

11. **Which of the following accounts is Nominal A/c?**
निम्नलिखित में से कौन-सा नाममात्र खाता है?
(a) Interest A/c/ब्याज खाता
(b) Accrued Interest A/c/उपार्जित ब्याज खाता
(c) Outstanding Interest A/c/अदत्त ब्याज खाता
(d) Prepaid Interest A/c/पूर्वदत्त ब्याज खाता

Ans. (a) : अवास्तविक खाते को नाम मात्र या आय-व्यय खाता भी कहा जाता है। ये खाते व्यापार के व्ययों एवं आयों अथवा लाभ-हानि से सम्बन्ध रखते है। वेतन खाता, मजदूरी खाता, कमीशन खाता, बट्टा खाता, बीमा प्रीमियम खाता तथा ब्याज खाता इत्यादि नाम मात्र खाता की श्रेणी में आते है।
जबकि उपार्जित ब्याज खाता, उदत्त व्याज खाता तथा पूर्वदत्त ब्याज खाता इत्यादि व्यक्तिगत खाता के उदाहरण है।

12. **Recoupable short working are shown in the Balance Sheet as**
पुन:प्राप्तियोग्य लघुकार्य आर्थिक चिट्ठे में दिखाया जाता है।
(a) current assets/चालू सम्पत्ति की तरह
(b) fixed assets/स्थायी सम्पत्ति की तरह
(c) fixed liabilities/स्थायी दायित्व की तरह
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : पुन: प्राप्ति योग्य लघुकार्य राशि को आर्थिक चिट्ठे में चालू सम्पत्ति की तरह दिखाया जाता है।
जब अधिकार शुल्क की राशि न्यूनतम किराए की राशि से अधिक हो तब यदि लघुकार्य राशि के अपलिखित किए जाने की व्यवस्था हो तो जिस लघुकार्य राशि के अपलिखित किए जाने की व्यवस्था है, उसे शोधनीय लघुकार्य राशि या पुन: प्राप्तियोग्य लघुकार्य राशि (Redecmable or Recoupable Shortworing) कहा जाता है।

13. **A Ltd. forfeited 500 shares of M of ₹10 each fully called-up for non-payment of first call of ₹ 2 per share and final call of ₹ 2 per share. 300 of these shares were reissued at ₹ 9 per share, fully paid-up. What amount will be transferred to the Capital Reserve A/c?**
A लि. ने M के प्रति अंश ₹10 वाले पूर्ण याचित 500 अंश प्रथम माँग ₹2 एवं अन्तिम माँग ₹2 के भुगतान न होने के कारण हरण कर लिये। इन अंशों में से 300 को प्रति अंश ₹9 पूर्णदत्त पर पुन: जारी किया गया था। पूँजी संचय खाते में कितनी राशि अन्तरित की जायेगी?
(a) ₹ 2,000 (b) ₹ 1,200
(c) ₹ 1,500 (d) ₹ 1,800

Ans. (c) : अंशों के हरण से सम्बन्धित लेखे -

Share Capital A/c	Dr.	5000	
To Share Ist Call A/c			1000
To Share Final call A/c			1000
To Share for feited A/c			3000

(Being For feited 500 Share)

अंशों के पुनर्निर्गमन सम्बन्धी लेखे-

Bank A/c	Dr.	2700	
Share forfeiture A/c	Dr	300	
To Share Capital A/c			3000

(Being re-issue of 300 Share@ 9 fully paid)

पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरण -

Share forfeiture A/c	Dr.	1500	
To Capital Reserve A/c			1500

(Being Balance of share forfeiture A/c transffered to Capital reserve)

14. **Match List-I with List-II and select the correct answer by using the codes given below the Lists:**
सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए :

सूची-I / List-I	सूची-II / List-II
A. Prepaid rent पूर्वदत्त किराया	1. Current liability/ चालू दायित्व
B. Bank overdraft बैंक अधिविकर्ष	2. Current assets/ चालू सम्पत्ति
C. Goodwill ख्याति	3. Fictitious assets/ बनावटी सम्पत्ति
D. Profit & Loss A/c (Dr.)/लाभ-हानि खाता (डेबिट)	4. Intangible assets अमूर्त सम्पत्ति

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	4	1	3	2

Ans. (b) सूची (I) का सूची (II) के साथ सही सुमेल इस प्रकार है-

सूची-I	सूची-II
A. पूर्वदत्त किराया	2. चालू सम्पत्ति
B. बैंक अधिविकर्ष	1. चालू दायित्व
C. ख्याति	4. अमूर्त सम्पत्ति
D. लाभ-हानि खाता (डेबिट)	3. बनावटी सम्पत्ति

15. **Manager's commission is given at the rate of 10% on the profits after giving commission to him. If the profit before giving commission is ₹1,54,000, then payable commission will be**

मैनेजर को कमीशन, उसको कमीशन देने के पश्चात् के लाभों पर, 10% की दर से दिया जाता है। यदि कमीशन देने से पूर्व लाभ ₹1,54,000 हो, तो देय कमीशन होगा

(a) ₹14,000
(b) ₹15,000
(c) ₹16,000
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : कमीशन देने के पश्चात बचे हुए शुद्ध लाभ पर कमीशन की गणना (Commission on net profit after Charging such Commission) -

$$\text{कमीशन} = \frac{\text{शुद्ध लाभ (कमीशन घटाने के पूर्व)} \times \text{कमीशन की दर}}{100 + \text{कमीशन की दर}}$$

$$= \frac{1,54,000 \times 10}{100+10} = \frac{1,54,000 \times 10}{110} = ₹14,000$$

16. **Opening Debtors** **10,000**
प्रारम्भिक देनदार
Sales Returns **7,000**
विक्रय वापसी
Bad Debts **3,000**
अप्राप्त ऋण
Cash Received from Debtors **40,000**
देनदारों से प्राप्त रोकड़
Closing Stock **13,000**
अन्तिम रहतिया
Find out the amount of credit sales.
उधार बिक्री की राशि ज्ञात कीजिए।

(a) ₹ 63,000
(b) ₹ 53,000
(c) ₹ 46,000
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : उधार विक्रय ज्ञात करने के लिए कुल देनदारों का खाता (Total Debtors Account) तैयार किया जाता है। इस खाते के क्रेडिट पक्ष के योग में से डेबिट पक्ष की राशि को घटाकर जो राशि निकलती है, उसे उधार बिक्री की राशि कहा जाता है। उधार बिक्री (Credit sales) डेबिट पक्ष में दिखायी जाती है।

Total Debtors A/c

Dr. Cr.

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Balace b/d (opening Debtors)	10,000	By Cash A/c (Cash recieved from Debtors)	40,000
To Credit Sales (Balancing Figure)	53,000	By Sales Return (In ward)	7,000
		By Bad Debts	3,000
		By Balance c/d (Closing Debtors)	13,000
	63,000		63,000

17. **A and B are partners of 5 : 3 ratio. C Joins and the new ratio agreed 4 : 2 : 2. Find out the sacrificing ratio of A and B.**
A तथा B, 5 : 3 के अनुपात में साझेदार है। C प्रवेश करता है और नया अनुपात 4 : 2 : 2 तय हो जाता है। A तथा B का त्याग किया गया अनुपात ज्ञात कीजिए।

(a) 1 : 2
(b) 1 : 3
(c) 1 : 1
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : A तथा B का लाभ विभाजन अनुपात = 5 : 3, C के प्रवेश पर A, B तथा C का नया लाभ अनुपात = 4 : 2 : 2 तो -

त्याग अनुपात = पुराना अनुपात - नया अनुपात

अतएव

$$\text{A का त्याग अनुपात} = \frac{5}{8} - \frac{4}{8} = \frac{1}{8}$$

$$\text{B का त्याग अनुपात} = \frac{3}{8} - \frac{2}{8} = \frac{1}{8}$$

$$\text{अत: A तथा B का त्याग अनुपात} = \frac{1}{8} : \frac{1}{8} = 1:1$$

18. **As per the rule of garner versus Murray, any loss that arises due to being insolvent of any partner should be divided among other partners in their**
गार्नर बनाम मरे के नियम अनुसार, किसी साझेदार के दिवालिया होने के कारण हुई हानि को अन्य साझेदारों में बाँटा जाना चाहिए उनके

(a) profit and loss sharing ratio
लाभ-हानि बंटन अनुपात में,
(b) capital ratio/पूँजी अनुपात में,
(c) average of both ratios/दोनों अनुपातों के औसत में,
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : गार्नर तथा मर्रे के नियम के अनुसार, किसी साझेदार के दिवालिया होने के कारण हुई हानि को अन्य साझेदारों में लाभ-हानि बंटन अनुपात में बाँटा जाना चाहिए, जबकि पूँजी की कमी को शेष साझेदारों को पूँजी अनुपात में वहन करना पड़ता है।

19. **Loan on mortgage is shown in**
बन्धक का ऋण दिखाया जाता है

(a) Liabilities side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(b) Assets side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में

(c) Debit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में
(d) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

Ans. (a) : बन्धक पर ऋण को उधारकर्ता (Barrower's) के आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में चालू दायित्व के रूप में दिखाया जाता है। जबकि ऋणदाता (Lender's) के आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में चालू सम्पत्ति के रूप में लिखा जाता है।

20. Stock A/c is a
रहतिया खाता है, एक
(a) Personal A/c/व्यक्तिगत खाता
(b) Nominal A/c/नाममात्र खाता
(c) Real A/c/वास्तविक खाता
(d) Statement/वितरण

Ans. (c) : रहतिया खाता, वास्तविक स्रोत की श्रेणी में आता है। यह एक दृश्य वास्तविक खाता है। ऐसे खाते जो किसी वस्तु, सम्पत्ति या अधिकारों से सम्बन्धित हो, वास्तविक खाते कहलाते है, जैसे- रोकड, माल, फर्नीचर, यन्त्र, रहतिया, भूमि, भवन, ट्रेडमार्क, पेटेण्ट, ख्याति आदि। वास्तविक खाते दो प्रकार के होते है-
I. मूर्त वास्तविक खाता
II. अमूर्त वास्तविक खाता

21. Depreciation is caused by
ह्रास का कारण होता है
(a) price fluctuations/मूल्य उच्चावचन
(b) accident/दुर्घटना
(c) use of asset/सम्पत्ति का प्रयोग
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : किसी भी सम्पत्ति के मूल्य में, उसके निरन्तर प्रयोग से घिसावट एवं क्षय से अप्रचलित होने से, समय के व्यतीत होने तथा अन्य कारणों से मूल्य में जो कमी होती है, उसे ह्रास (Depreciation) कहते है। मूल्य ह्रास निम्नलिखित कारणों से होता है-
1. घिसावट एवं क्षय 2. अप्रचलित होने से 3 समय व्यतीत होने पर 4. समाप्त होने पर।

22. Goodwill is a/ an
ख्याति है, एक
(a) Current asset/चालू सम्पत्ति
(b) Liquid asset/तरल सम्पत्ति
(c) Fixed asset/स्थायी सम्पत्ति
(d) Intangible asset/अमूर्त सम्पत्ति

Ans. (d) : ख्याति खाता, एक अमूर्त सम्पत्ति खाता की श्रेणी में आता है। अमूर्त वास्तविक खाते की श्रेणी में उन सम्पत्तियों के खाते आते है, जिन्हे छूआ या देखा नहीं जा सकता। इनका कोई वास्तविक शरीर, रुप एवं आकार नहीं होता है अन्य सम्पत्तियों या वस्तुओं की तरह इनके मूल्य को मापा जा सकता है और इनका क्रय-विक्रय किया जा सकता है, जैसे- ख्याति, ट्रेडमार्क, एकस्व अधिकार (Patent Rights), कॉपीराइट आदि के खाते।

23. Preliminary expenses of a company should be shown in the final accounts on
एक कम्पनी के अन्तिम खातों में प्रारम्भिक व्ययों को दिखाया जाता है।
(a) Assets side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(c) Debit side of Trading A/c
व्यापारिक खाते के डेबिट पक्ष में
(d) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में

Ans. (a) : एक कम्पनी के अन्तिम खातों में प्रारम्भिक व्ययों को आर्थिक चिट्ठे (B/S) के सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है। आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष के विविध व्यय (Misc. Exp.) शीर्षक के अन्तर्गत अवास्तविक सम्पत्तियों को दिखाया जाता है। इन सम्पत्तियों को धीरे-धीरे अपलिखित कर दिया जाता है। निम्नलिखित मदों को इस शीर्षक में दिखाया जाता है-

i. प्रारम्भिक व्यय
ii. अंशों के निर्ममन पर कटौती
iii. ऋणपत्रों के निर्गमन पर कटौती
iv. अंशों एवं ऋणपत्रों के निर्गमन पर व्यय
v. लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष

24. Which of the following is not a current asset?
निम्नलिखित में से कौन-सी चालू सम्पत्ति नहीं है?
(a) Bank overdraft/बैंक अधिविकर्ष
(b) Closing stock/अन्तिम रहतिया
(c) Debtors/देनदार
(d) Bills receivable/प्राप्य विपत्र

Ans. (a) : बैंक अधिविकर्ष चालू दायित्व की श्रेणी में शामिल है, शेष अन्तिम रहतिया, देनदार तथा प्राप्य विपत्र को चालू सम्पत्तियों की श्रेणी में शामिल किया जाता है। चालू सम्पत्तियाँ व चालू दायित्व इस प्रकार है -

चालू दायित्व	चालू सम्पत्तियाँ
लेनदार (Creditor)	रोकड़ (Cash)
देय विपत्र (B/P)	बैंक (Bank)
बैंक अधिविकर्ष (Bank O/D)	देनदार (Debtor)
अदत्त व्यय (Outstanding Exp.)	प्राप्त विपत्र (B/R)
अग्रिम आय (Advance Income)	चालू निवेश (Current Investment)
	स्टॉक (Stock)
	पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Expanse)
	अर्जित आय (Accrued Income)

25. **Premium received on issue of shares is shown in**
अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम दिखाया जाता है
(a) Assets side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में
(b) Liabilities side of Balance Sheet
आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में
(c) Credit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के क्रेडिट पक्ष में
(d) Debit side of Profit & Loss A/c
लाभ-हानि खाते के डेबिट पक्ष में

Ans. (b) : अंशों के निर्गमन पर प्राप्त प्रीमियम की राशि को आर्थिक चिट्ठे के दायित्व पक्ष में संचित एवं आधिक्य (Reserve and Surplus) शीर्षक के अन्तर्गत दिखाया जाता है। इस शीर्षक में निम्नलिखित मदों को लिखा जाता है-
1. सामान्य संचय (General Reserve)
2. पूँजी संचय (Capital Reserve)
3. लाभ-हानि क्रेडिट शेष (P/L Cr. Balance)
4. प्रतिभूति प्रीमियम संचय (Security Premium Reserve)
5. अंशों का हरण (Share forfeiture)

26. **Discount allowed on reissue of forfeited shares is debited to**
अपहृत अंशों के पुन:निर्गमन पर दी गयी छूट को डेबिट किया जाता है
(a) Share Capital A/c/अंश पूँजी खाता में
(b) Profit & Loss A/c/लाभ-हानि खाता में
(c) Forfeited Shares A/c/अपहृत अंश खाता में
(d) Discount on Issue of Shares A/c
अंश निर्गमन पर छूट खाता में

Ans. (c) : अपहृत अंशों (forfeited Share) के पुन: निर्गमन पर दी गयी छूट को अंश हरण खाता (forfeited Share A/c) में डेविट किया जाता है। उदाहरणार्थ-
अशों के छूट पर पुनर्निर्गमन का लेखा-
Bank A/c Dr.
Share Forfeiture A/c Dr. (Discount)
To Shere Capital A/c
(Being share forfeiatedre and re-issue of Share with discount)

27. **Goods worth ₹ 500 have been taken by the proprietor for his personal use, for which no entry has been passed in the books. This is an**
स्वामी द्वारा अपने निजी प्रयोग हेतु ₹500 की सामग्री ली गई, जिसका बहियों में कोई लेखा नहीं किया गया। यह है एक
(a) error of compensation/क्षतिपूर्ति त्रुटि
(b) error of principle/सैद्धान्तिक त्रुटि
(c) error of commission/करण -त्रुटि
(d) error of omission/चूक त्रुटि

Ans. (d) : स्वामी द्वारा अपने निजी प्रयोग हेतु ₹500 की सामग्री ली गई, जिसका बहियों में कोई लेखा नही किया गया, ऐसी दशा में यह एक चूक त्रुटि (Error of Omission) होगी।
यदि प्रारम्भिक लेखे में किसी सौदे का लेखा छूट गया है अर्थात् यदि जर्नल में किसी भी सौदे का भूल से कोई भी लेखा नही हुआ है, तो वह खाताबही से भी खतियाने से स्वभावत: ही छूट जाएगा और जब खाताबही में कोई खाता है ही नही तो वह तलपट में आ ही नही सकता। अतएव यह भूल तो है किन्तु इसका प्रभाव तलपट के मिलने पर नही पड़ता है।

28. **Contra entries in cashbook are made when**
रोकड़-बही में प्रति-प्रविष्टि की जाती है, जब
(a) Petty Cashbook is maintained
लघु रोकड़-बही रखी गयी है
(b) Simple Cashbook is prepared
सामान्य रोकड़-बही तैयार की जाती है
(c) Triple Column Cashbook is maintained
तीन खानों वाली रोकड़-बही रखी जाती है
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : रोकड़ बही में प्रति प्रविष्टि (Contra-Entry) तब की जाती है। जब किसी लेन-देन का प्रभाव रोकड़ बही के दोनों खातों को (एक में रोकड़ तथा दूसरे में बैंक) प्रभावित करे तो यह Contra Entry कहलाती है। यह दो खाने वाली रोकड़ बही तथा तीन खाने वाली रोकड़ बही दोनों में सम्भव होती है। इसलिए खाता पृष्ठ (L.F.) वाले खाने में अंग्रेजी का अक्षर 'C' लिख दिया जाता है। उभय पक्ष प्रविष्टि एक ही तिथि पर होती है।

29. **Under hire-purchase system, the formula to calculate value of stock at cost equivalent is**
किराया-क्रय पद्धति के अन्तर्गत, लागत समतुल्य पर रहतिये के मूल्य की गणना हेतु सूत्र है
(a) Selling Price- Variable Cost
विक्रय मूल्य - परिवर्तनशील लागत
(b) Installment Outstanding/ Selling Price × Cash Price /अदत्त किस्त/ विक्रय मूल्य × नकद मूल्य
(c) Rate of Interest/100 + Rate of Interest
ब्याज की दर/ 100 + ब्याज की दर
(d) Actual Average Profit- Normal Profit
वास्तविक औसत लाभ - सामान्य लाभ

Ans. (b) : 'किराया-क्रय' पद्धति के अन्तर्गत, लागत समतुल्य पर रहतिये के मूल्य की गणना हेतु निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग किया जाता है।

$$\text{लागत समतुल्य पर रहतिये का मूल्य} = \frac{\text{अदत्त किश्त}}{\text{विक्रय मूल्य} \times \text{नकद मूल्य}}$$

30. Share warrants can be issued when shares are
अंश अधिपत्र निर्गमित किया जा सकता है, जबकि अंश

(a) fully paid/पूर्व प्रदत्त हो
(b) partly paid/आंशिक प्रदत्त हो
(c) lost/खो गया हो
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : अंश अधिपत्र (Share warrants) का निर्गमन केवल पूर्वदत्त अंशों (Fulty paid-up) के लिए होता है। अंश अधिपत्र का स्वामी कम्पनी का सदस्य नही होता, परन्तु अन्तर्नियम के अनुसार कम्पनी का सदस्य बन सकता है। इसका हस्तान्तरण सुपुर्दगी मात्र से हो जाता है। निजी कम्पनी इसका निर्गमन नही कर सकती है। इसमें लिखित अंशों को संचालकों के योग्यता अंशों में सम्मिलित नहीं किया जाता है।

31. Partner by estoppel is a
गत्यारोध द्वारा साझेदार होता है

(a) Partner with limited power
सीमित अधिकार वाला साझेदार
(b) Nominal partner/नाममात्र का साझेदार
(c) Sleeping partner/निद्रालु साझेदार
(d) Partner under special situation
विशेष परिस्थितियों में साझेदार

Ans. (d) : गत्यारोध द्वारा साझेदार (Partners by Estoppel) वह होता है, जिसे विशेष परिस्थितियों में साझेदार मान लिया जाता है। यदि कोई व्यक्ति मौखिक या लिखित शब्दों से अथवा अपने आचरण से ऐसा कार्य करता है कि दूसरे को यह विश्वास हो जाए कि वह फर्म में साझेदार है, यद्यपि वह साझेदार नही है, तथापि दूसरे व्यक्ति इसी विश्वास पर उस फर्म को ऋण देते है, तो ऐसी स्थितियाँ ऋणदाताओं के लिए वह गात्यारोध द्वारा साझेदार माना जाएगा।

32. A partnership firm is illegal when
एक साझेदारी फर्म अवैध होती है, जब

(a) Any of the partners is from enemy country
कोई एक साझेदार शत्रु देश का हो
(b) Established for unlimited period
वह असीमित समय के लिए स्थापित हो
(c) There are seven partners/उसमें सात साझेदार हों
(d) Registered under the Partnership Act
उसका निबन्ध साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत हो

Ans. (a) : एक साझेदारी फर्म निम्नलिखित परिस्थितियों में अवैध मानी जाती है-
i. कोई एक साझेदार शत्रु देश का हो,
ii. दो से कम अथवा 50 से अधिक साझेदार होने पर
iii. एक को छोड़कर सभी साझेदारों के दिवालिया होने पर,
iv. न्यायालय द्वारा साझेदारी के समापन की घोषणा किए जाने पर,
v. उद्देश्यों के अवैध होने पर,
vi. साझेदारी फर्म श्रमहित व राष्ट्र हित के विरुद्ध होने पर,
vii. साझेदारी का संचालन अयोग्य व्यक्ति जैसे पागल, या अवयस्क द्वारा किए जाने पर।

33. Which of the following is not included in the Memorandum of Association?
निम्नलिखित में से कौन-सा पार्षद सीमा नियम में शामिल नहीं किया जाता है?

(a) Name clause/नाम वाक्य
(b) Jurisdiction clause/क्षेत्राधिकार वाक्य
(c) Object clause/उद्देश्य वाक्य
(d) Liability clause/दायित्व वाक्य

Ans. (b) : कम्पनी अधिनियम के अनुसार पार्षद सीमानियम में निम्नलिखित 6 वाक्यों का उल्लेख है-
1. कम्पनी का नाम वाक्य
2. रजिस्टर्ड कार्यालय वाक्य
3. कम्पनी का उद्देश्य वाक्य
4. दायित्व वाक्य
5. पूँजी वाक्य
6. संघ वाक्य

34. Which of the following features is not present with partnership form of organization?
निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण साझेदारी संगठन में विद्यमान नहीं है?

(a) Perpetual succession/अविच्छिन उत्तराधिकार
(b) Unlimited liability/असीमित दायित्व
(c) Creation by an agreement
एक समझौता द्वारा सृजन
(d) Voluntary registration/ऐच्छिक पंजीकरण

Ans. (a) : साझेदारी संगठन के लक्षणों को दो प्रमुख भागों में बाँटा जा सकता है-
A. वैधानिक लक्षण-
i. कम से कम दो व्यक्तियों का होना
ii. किसी वैध कारोबार का होना
iii. समझौता द्वारा साझेदारी का सृजन
iv. उद्देश्य लाभ कमाना
v. कारोबार के लाभों को आपस में बाँटना
vi. प्रत्येक साझेदार फर्म का एजेण्ट या स्वामी
B. सामान्य लक्षण-
i. असीमित दायित्व
ii. कार्य संचालन सभी या किसी एक के द्वारा
iii. पृथक अस्तित्व नही
iv. फर्म का निश्चित नाम
v. सद्विश्वास होना
vi. व्यक्ति ही साझेदार
vii. हित हस्तान्तरण
viii. स्वैच्छिक पंजीकरण एवं संगठन
Note- अविछिन्न उत्तराधिकार कम्पनी की विशेषता है।

35. 'Inspiring is an integral element of
'प्रेरण' एक अन्तर्निहित तत्व है

(a) Staffing/स्टाफिंग का
(b) Organizing/आयोजन का
(c) Directing/निर्देशन का
(d) Controlling/नियन्त्रण का

Ans. (c) : प्रेरणा निर्देशन का एक अन्तर्निहित तत्व है। निर्देशन प्रबन्ध का वह महत्वपूर्ण कार्य है जो संगठित प्रयत्नो को प्रारम्भ करता है। निर्देशन के अन्तर्गत निम्न चार क्रियायों को सम्मिलित किया जाता है-
पर्यवेक्षण (Supervision)
सम्प्रेषण (Communication)
नेतृत्व (Leadership)
अभिप्रेरणा या प्रेरणा (Motivation or Inspiring)

36. Strongest Letter of Credit is
प्रबलतम उधारी विपत्र है-

(a) Confirmed/पुष्टियुक्त
(b) Irrevocable/अप्रतिसंहरणीय
(c) Confirmed and irrevocable
पुष्टियुक्त एवं अप्रतिसंहरणीय
(d) Revocable/प्रतिसंहरणीय

Ans. (c) : पुष्टियुक्त एवं अप्रतिसंहरणीय प्रवलतम उधारी प्रपत्र होता है।

37. Delegation of authority makes the size of the organization
अधिकारों का भारार्पण संगठन का आकार बनाता है

(a) Small organization/छोटा संगठन
(b) Large organization/बड़ा संगठन
(c) Very large organization/बहुत बड़ा संगठन
(d) Mini organization/अति लुघ संगठन

Ans. (b) : अधिकारों का भारार्पण या अन्तरण (Deligation of Authority) संगठन के आकार को बड़ा बनाता है। अधिकारों के भारार्पण द्वारा ही प्रबन्धकीय ढाँचा तैयार होता है। इसके अन्तर्गत विभिन्न स्तर के कर्मचारियों के अधिकार एवं दायित्व निश्चित किए जाते है और तब उनसे परिणामों की आशा की जाती है। अधिकारों का भारार्पण किए बिना किसी भी अधिनस्थ कर्मचारी को किसी भी कार्य के लिए उत्तरदायी नही ठहराया जा सकेगा।

38. A company is said to have been incorporated when
एक कम्पनी समामेलित मानी जाती है, जब

(a) necessary documents have already submitted to the registrar/रजिस्ट्रार के पास आवश्यक प्रलेख पहले ही जमा कर दिये जायें
(b) certificate of incorporation has been obtained from the registrar
रजिस्ट्रार से समामेलन-प्रमाणपत्र प्राप्त हो जाये
(c) it actually starts business
वह वास्तव में व्यवसाय आरम्भ कर दे
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : एक कम्पनी समामेलित मानी जाती है, जब उसे रजिस्ट्रार से समामेलन प्रमाण पत्र प्राप्त हो जाता है। जब रजिस्ट्रार को इस बात का सन्तोष हो जाता है कि कम्पनी द्वारा समामेलन से सम्बन्धित सभी आवश्यक एवं वैधानिक व्यवस्थाएं पूरी कर दी गई है और यह इस अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत की जाने के लिए अधिकृत है तो वह जमा किए गये प्रलेखों का पंजीयन करके अपने पास रख लेता है और कम्पनी के नाम से समामेलन प्रमाण-पत्र निर्गमित कर देता है। यह प्रमाणपत्र कम्पनी अधिनियम की धारा 7 कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार इस बात का निश्चयात्मक प्रमाण (Conclusive Proof) होता है कि कम्पनी द्वारा पंजीकरण से सम्बन्धित सभी आवश्यकताओं एवं कार्यवाहियों का पालन किया गया है तथा संस्था कम्पनी के रूप में पंजीकृत होने की अधिकारी है।

39. Span of supervision refers to
पर्यवेक्षण-विस्तार से आशय है

(a) number of subordinates/अधीनस्थों की संख्या
(b) extent of supervision/पर्यवेक्षण की सीमा
(c) quality of supervisor/पर्यवेक्षण का गुण
(d) nature of supervision/पर्यवेक्षण का प्रकृति

Ans. (a) : पर्यवेक्षण विस्तार (Span of Supervision) से तात्पर्य अधिनस्थों की संख्या से है। दूसरे शब्दों में प्रबन्ध अथवा नियन्त्रण के विस्तार से आशय अधिनस्थों के उस अनुकूलतम संख्या से है, जिसका एक अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावी पर्यवेक्षण एवं नियन्त्रण कर सकता है। सामान्यत: कोई भी कार्यालय प्रबन्धक 6 से अधिक अधिनस्थों के कार्य का पर्यवेक्षण नही कर सकता है।

40. Functional organization is based on
क्रियात्मक संगठन आधारित है

(a) specialization only/केवल विशिष्टीकरण पर
(b) generalization only/केवल सामान्यीकरण पर
(c) both specialization and generalization
विशिष्टीकरण एवं सामान्यीकरण दोनों पर
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : क्रियात्मक संगठन (Functional Organisation) विशिष्टीकरण पर आधारित है। एफ. डब्ल्यू. टेलर ने वैज्ञानिक प्रबन्ध के अन्तर्गत संगठन के लिए प्रारुप का प्रतिपादन किया है, वह क्रियात्मक संगठन ही है। क्रियात्मक संगठन पद्धति पारित करने का मुख्य उद्देश्य मुख्यत: दो सिद्धान्तों को स्वीकार करना हैं। ये सिद्धान्त इस प्रकार है -
i. विशिष्टीकरण का सिद्धान्त
ii. संगठनात्मक सन्तुलन का सिद्धान्त

41. The Father of Scientific Management is
वैज्ञानिक प्रबन्ध का जनक है

(a) Peter Drucker/पीटर ड्रकर

(b) F. W. Taylor/एफ. डब्ल्यू. टेलर
(c) Victor Vroom/विक्टर व्रूम
(d) Henry Fayol/हेनरी फेयॉल

Ans. (b) : अमेरिकी प्रबन्धशास्त्री फ्रेडरिक विन्सलो टेलर को वैज्ञानिक प्रबन्ध का जनक माना जाता है। जबकि प्रबन्ध के सिद्धान्त का जनक फ्रांसीसी प्रबन्धशास्त्री हनेरी फेयोल को माना जाता है, जिन्होंने प्रबन्ध के 14 सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया।

42. In a sole proprietorship, the proprietor's liability is:
एकल स्वामित्व में, स्वामी का दायित्व होता है
(a) Nil/कुछ नहीं
(b) Unlimited/असीमित
(c) Limited to his share/उसके अंश तक सीमित
(d) Limited to his guarantee उसकी गारण्टी तक सीमित

Ans. (b) : एकल स्वामित्व व्यवसाय में स्वामी का दायित्व असीमित होता है। एकाकी व्यापार में पूंजी उसी व्यक्ति को लगानी पड़ती है जो व्यापार प्रारम्भ करता है। उसके संगठन तथा प्रबन्ध का पूर्ण दायित्व उसी पर होता है तथा वह उसे अपनी रुचि के अनुसार करता है।

43. The structure of an organization in which there is separation of ownership and management is called:
एक संगठन-संरचना, जिसमें स्वामित्व व प्रबन्धन को अलग-अलग किया जाता है, कहलाता है–
(a) Sole proprietorship/एकल स्वामित्व
(b) Partnership/साझेदारी
(c) Company/कम्पनी
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : एक ऐसी संगठन संरचना जिसमें स्वामित्व व प्रबन्धन को अलग-अलग किया जाता है, कम्पनी कहलाता है। दूसरे शब्दों में "कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है जिसका समामेलन इस अधिनियम या पिछले कम्पनी कानून के अन्तर्गत हुआ है। इसका सदस्यों से पृथक स्थायी अस्तित्व होता है, उसके सदस्यों का दायित्व सीमित होता है और जिसकी सार्वमुद्रा होती है।"
एक कम्पनी की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-
i. ऐच्छिक एवं निगमित संस्था
ii. कृत्रिम कानूनी व्यक्ति
iii. पृथक अस्तित्व
iv. शाश्वत उत्तराधिकार
v. सार्वमुद्रा
vi. सीमित दायित्व
vii. अंशों की हस्तान्तरणीयता
viii. पृथक सम्पत्ति
ix. मुकदमा करने की योग्यता

44. How many P's are there in marketing mix of services?
सेवाओं के विपणन मिश्रण में कितने P सम्मिलित हैं?
(a) Four/चार (b) Six/छ:
(c) Eight/आठ (d) Ten/दस

Ans. (a) : अमेरिका के हारवर्ड बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर एन.एच. बोर्डन ने विपणन मिश्रण (Marketing Mix) की परिकल्पना प्रस्तुत की। उसके अनुसार यह दो वस्तुओं से सम्बन्धित है- (क) महत्त्वपूर्ण तत्वों अथवा संघटकों की एक सूची है, जो विपणन कार्यक्रम बनाती है तथा (ख) उन शक्तियों की सूची है जिन विपणन क्रियायों पर दबाव रहता है।
एम. सी. मैक्थी ने विपणन मिश्रण के चार मौलिक तत्व बताएँ है-
1. उत्पाद (Product), 2. कीमत (Price),
3. प्रोत्साहन (Promotion) 4. स्थान (Place)
Note - इस चार तत्वों को ही विपणन मिश्रण का 4P's कहते है।

45. Halsey premium plan is based on
हैल्से प्रीमियम योजना आधारित है
(a) time taken/समय योजना पर
(b) quantity of work/कार्य की मात्रा पर
(c) time saved/बचाये समय पर
(d) quality of work/कार्य की गुणवत्ता पर

Ans. (c) : हैल्से प्रीमियम योजना में प्रीमियम की दर बचाए गए समय के 50% के बराबर होती है। इस योजना में अधिक कार्य करने पर कुल पारिश्रमिक दुगुना हो सकता है। इस योजना में श्रमिक अधिक समय बचाने के लिए तेजी एवं असावधानी से कार्य करता है जिसके कारण मशीनों एवं उपकरणों की टूट-फूट और घिसावट बढ़ जाती है, जिससे मशीनों का सही उपभोग नही हो पाता है। इस योजना में प्रीमियम की गणना करना आसान है।

46. In an enterprise, the organization is established by the:
किसी उपक्रम में संगठन की स्थापना करता है
(a) top management/उच्च प्रबन्ध
(b) middle management/मध्यम प्रबन्ध
(c) lower management/निम्न प्रबन्ध
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : किसी भी उपक्रम में उच्च स्तरीय प्रबन्ध, मध्य स्तरीय प्रबन्ध या निम्न स्तरीय प्रबन्ध में संगठन की स्थापना की जाती है। एस. जार्ज जूनियर के अनुसार- "संगठन प्रबन्ध का एक तन्त्र है, जिसका उद्देश्य प्रबन्ध के कार्य को अधिक सुविधाजनक बनाना है।" संगठन एक ऐसा तन्त्र है जिसके द्वारा प्रबन्ध किसी उपक्रम की क्रियाओं को निर्देशित करता है, समन्वित करता है तथा नियन्त्रित करता है।"

47. Line and staff organization is most suitable for:
रेखा एवं कर्मचारी संगठन सबसे उपयुक्त है-
(a) small enterprises/छोटे उपक्रमों के लिए

Adda247
GET IT ON Google Play

(b) medium-sized enterprises
मध्यम श्रेणी के उपक्रमों के लिए
(c) large-sized enterprises
बड़े आकार के उपक्रमों के लिए
(d) cottage enterprises/कुटीर उपक्रमों के लिए

Ans. (c) : रेखा एवं कर्मचारी संगठन प्रारूप बड़े आकार के उपक्रमों के लिए सबसे उपयुक्त होता है। उपक्रम का आकार बढ़ने, क्रियाओं में विविधता आने, तकनीकी पेचीदगी बढ़ने तथा बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ने के कारण यह अनुमान किया जाने लगा कि विभागीय अध्यक्ष दैनिक आदेश-निर्देश कार्य के साथ-साथ विशेषज्ञ के रूप में कार्य नहीं कर सकते। ऐसी परिस्थिति में उन्होंने विशेषज्ञों से विभिन्न क्षेत्रों में सलाह लेना प्रारम्भ किया। इस तरह उपक्रम में विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाने लगी। अत: लाइन प्रबन्धक कर्मचारी के रूप में काम करने लगे और स्टाफ कर्मचारी इन कार्यकारी प्रबन्धकों को विशिष्ट सलाह देने का काम करने लगे जिससे वे अपना सभी कार्य अधिक कुशलता से कर सके। इस प्रारूप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि विशेषज्ञों की सेवाओं का लाभ भी प्राप्त किया जाता है।

48. Marketing deals with the study of:
विपणन निम्नलिखित में से किसके अध्ययन से सम्बन्धित है?
(a) consumer buying behaviour
उपभोक्ता का क्रय सम्बन्धी व्यवहार
(b) sales management/विक्रय प्रबन्ध
(c) consumer's satisfaction/उपभोक्ता की सन्तुष्टि
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : व्यापक अर्थ में विपणन प्रक्रिया उपभोक्ता की अभिरुचि, फैशन, मांग आदि के साथ प्रारम्भ होती है और उसकी अधिकतम सन्तुष्टि तक जारी रहती है, अर्थात् विपणन प्रक्रिया में उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं का अध्ययन करने के पश्चात वस्तुओं व सेवाओं का विनिर्माण किया जाता है, उसके बाद वितरण श्रृंखला द्वारा अधिकतम सन्तुष्टि प्रदान करते हुए उपभोक्ताओं को बेचा जाता है। विपणन निम्नलिखित के अध्ययन से सम्बन्धित होता है-
i. उपभोक्ता का क्रय सम्बन्धी व्यवहार
ii. विक्रय प्रबन्ध
iii. उपभोक्ता सन्तुष्टि
iv. समाज के जीवन स्तर में वृद्धि
v. बेहतर जीवन यापन का अवसर

49. An organization that has developed capacity to adopt and change is described as:
जो संगठन अनुकूल बनने और परिवर्तन की क्षमता विकसित कर लेता है, उसे कहते हैं–
(a) virtual organization/वास्तविक संगठन
(b) learning organization/शिक्षार्थी संगठन
(c) developing organization/विकासशील संगठन
(d) changing organization/परिवर्तनीय संगठन

Ans. (b) : जो संगठन अनुकूल बनने और परिवर्तन की क्षमता विकसित कर लेता है, उसे शिक्षार्थी संगठन (Learning Organisation) कहते है। संगठन के इस प्रारूप में कम्पनी अपने सदस्यों को सीखने की सुविधा भी प्रदान करती है, जिससे वे अपने में सुधार कर सके। इस संगठन में अनुकूलन और परिवर्तन की क्षमता निरन्तर विकसित की जाती है। जैसे- हर व्यक्ति सीखता है, वैसे ही संगठन भी अनुकूलन और परिवर्तन के लिए चीजें सीखते है।

50. The World Trade Organization (WTO) started functioning legally on:
विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू. टी. ओ.) ने विधिवत् कब कार्य प्रारम्भ किया?
(a) 1st January, 1991/1 जनवरी, 1991
(b) 1st January, 1995/1 जनवरी, 1995
(c) 1st January, 1999/1 जनवरी, 1999
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : विश्व व्यापार संगठन (WTO) ने 1 जनवरी, 1995 को विधिवत् कार्य करना प्रारम्भ किया। विश्व व्यापार संगठन, विश्व में व्यापार सम्बन्धी अवरोधों को दूर कर वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने वाला एक अंतर-सरकारी संगठन है। इसकी स्थापना मराकेश समझौते के तहत की गई। इसका मुख्यालय जेनेवा में है। इसने GATT, 1947 का स्थान लिया।

51. An economic environmental factor is
एक आर्थिक वातावरणीय कारक है
(a) Emphasis on knowledge management
ज्ञान प्रबन्ध पर दबाव
(b) National income and its distribution
राष्ट्रीय आय एवं इसका वितरण
(c) Profitability and its distribution
लाभदायकता एवं इसका वितरण
(d) Changing workforce profile
श्रमिकवर्ग की रूपरेखा में परिवर्तनशीलता

Ans. (b) : राष्ट्रीय आय और इसका वितरण एक आर्थिक वातावरणीय कारक है। आर्थिक वातावरण उन आर्थिक कारकों को संदर्भित करता है जो वाणिज्यिक और उपभोक्ता व्यवहार को प्रभावित करते हैं। ये कारक किसी व्यवसाय को प्रभावित कर सकते हैं। आर्थिक वातावरण विभिन्न कारकों का एक संयोजन है जो व्यवसाय पर अपना प्रभाव डालता हैं। ये कारक उपभोक्ताओं और संस्थाओं के खरीद व्यवहार और खर्च करने के तरीकों को प्रभावित करते हैं।

52. Planning job requirements has which of the following sequences?
कार्य आवश्यकता नियोजन का अनुक्रम है
(a) Job information, Job description, job evaluation/कार्य सूची, कार्य वर्णन, कार्य मूल्यांकन
(b) Job evaluation, job information, job description/कार्य मूल्यांकन, कार्य सूचना, कार्य वर्णन
(c) Job description, job evaluation, job information
कार्य वर्णन, कार्य मूल्यांकन, कार्य सूचना
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : कार्य आवश्यकता नियोजन का सही अनुक्रम निम्नलिखित है–

कार्य सूचना
⇓
कार्य वर्णन
⇓
कार्य मूल्यांकन

53. As per Section 2 (68) of the Companies Act, 2013, a private company should have a minimum paid-up share capital of:
कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(68) के अनुसार, एक निजी कम्पनी की न्यूनतम प्रदत्त अंश पूँजी होगी-

(a) ₹ 2,00,000 (b) ₹ 5,00,000
(c) ₹ 10,00,000 (d) ₹ 1,00,000

Ans. (d) : कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(68) के अनुसार एक निजी कम्पनी वह कम्पनी है जिसकी न्यूनतम प्रदत्त अंशपूँजी ₹1,00,000 अथवा अधिनियम द्वारा निर्धारित इससे अधिक अंशपूँजी हो तथा जो अपने अन्तर्नियमें द्वारा-
i. अंशो के हस्तान्तरण पर रोक लगाती हो
ii. कर्मचारियों को छोड़कर, सदस्यों की संख्या 200 तक सीमित करती है
iii. कम्पनी की किसी प्रतिभूतियों के लिए जनता को आमन्त्रित करने पर प्रतिबन्ध लगाती हो। [धारा 2(68)]

54. Match List-I with List-II and select the correct answer by using the codes given below the Lists:
सूची-I को सूची-II के साथ सही सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

List-I सूची-I	List-II सूची-II
A. Planning नियोजन	1. Training प्रशिक्षण
B. Staffing स्टाफिंग	2. Forecasting पूर्वानुमान
C. Directing निर्देशन	3. Evaluating मूल्यांकन
D. Controlling नियन्त्रण	4. Motivating अभिप्रेरण

Codes:/कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	1	2	3	4
(c)	4	3	2	1
(d)	2	4	1	3

Ans. (a) : सूची-I का सूची-II के साथ सही सुमेल इस प्रकार है-

A. नियोजन	2. पूर्वानुमान
B. स्टॉफिग	1. प्रशिक्षण
C. निर्देशन	4. अभिप्रेरणा
D. नियन्त्रण	3. मूल्यांकन

55. The element not necessary in each objective under Management by Objectives (MBO) approach is:
उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध (MBO) दृष्टिकोण के अन्तर्गत प्रत्येक उद्देश्य में आवश्यक तत्व नहीं है-

(a) cost element/लागत तत्त्व
(b) human relation element/मानवीय सम्बन्ध तत्त्व
(c) time element/समय तत्त्व
(d) measurable element/मापनीय तत्त्व

Ans. (a) : अल्फ्रेड सीलान द्वारा 1950 में खोजी गयी तकनीक की अवधारणा को लोकप्रिय बनाने में पीटर एफ. ड्रकर का मुख्य योगदान है। इन्होंने वर्ष 1954 में प्रकाशित पुस्तक ''दी प्रेक्टिस ऑफ मैनेजमेन्ट'' में उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध (MBO) की अवधारणा को स्पष्ट किया। उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध दृष्टिकोण के अन्तर्गत प्रत्येक उद्देश्य के आवश्यक तत्व निम्नलिखित हैं-
i. मानवीय सम्बन्ध तत्व
ii. समय तत्व
iii. मापनीय तत्व

56. The highest form of democratic organization is:
लोकतांन्त्रिक संगठन का उच्चतम प्रारूप है-

(a) line organization/रेखीय संगठन
(b) functional organization/कार्यात्मक संगठन
(c) committee organization/समिति संगठन
(d) staff organization/स्टाफ संगठन

Ans. (c) : समिति संगठन प्रारूप, लोकतान्त्रिक संगठन का उच्चतम प्रारूप है। समिति संगठन को बड़ी संस्थाओं में एक पूरक व्यवस्था के रूप में अपनाया जाता है जैसे विशेषज्ञों के कार्यों में समन्वय लाने, नियोजन व क्रियान्वयन में सहायोग प्राप्त करने तथा प्रजातान्त्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए आदि।
समिति को विभिन्न उद्देश्यों व कार्यों के आधार पर निम्नलिखित भागों में बाँटा जा सकता है-
i. स्थायी समितियाँ
ii. अस्थायी समितियाँ
iii. परामर्शदात्री समितियाँ
iv. समन्वय समितियाँ
v. अनुसंधान समितियाँ
vi. औपचारिक एवं अनौपचारिक समितियाँ

Adda247 GET IT ON Google Play

57. **Which of the following pairs is correctly matched?**
निम्नलिखित में से किस जोड़े का मिलान सही है?
(a) F. W. Taylor - Human Relation Approach
एफ. डब्ल्यू. टेलर - मानवीय सम्बन्ध दृष्टिकोण
(b) Henry Fayol- Universality of Management
हेनरी फेयॉल - प्रबन्ध की सार्वभौमिकता
(c) Elton Mayo- Psychological Approach
एल्टन मेयो - मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण
(d) Mary Parker Follett- Scientific Management
मेरी पार्कर फॉलेट - वैज्ञानिक प्रबन्ध

Ans. (b) : प्रबन्धशास्त्री व उसके द्वारा प्रतिपादित दृष्टिकोण इस प्रकार हैं–

प्रबन्धशास्त्री	दृष्टिकोण
a. एफ. डब्ल्यू टेलर	वैज्ञानिक प्रबन्ध
b. हेनरी फेयोल	प्रबन्ध की सार्वभौमिकता
c. एल्टन मेयो	मानवीय सम्बन्ध दृष्टिकोण
d. मेरी पार्कर फालेट	मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

58. **Marketing functions described by Tousley, Clark and Clark are**
टौस्ले, क्लार्क एवं क्लार्क द्वारा वर्णित विपणन के कार्य हैं
(a) 5 (b) 7
(c) 8 (d) 10

Ans. (c) : टौस्ले, क्लार्क एवं क्लार्क द्वारा विपणन ने 8 कार्य वर्णित है- (क्लार्क एवं क्लार्क द्वारा)

विपणन कार्य

विनिमय का कार्य	भौतिक वितरण का कार्य	सुगमतापूर्ण कार्य
1. Buying and Assembling (क्रय)	3. Transportation (परिवहन)	5. Financing (वित्तीय)
2. Selling (विक्रय)	4. Storage (भण्डारण)	6. Risk Taking (जोखिम)
		7. Market Information
		8. Standardization

59. **One of the disadvantages of sole proprietory organization is:**
एकल स्वामित्व संगठन के दोषों में से एक है-
(a) Unlimited liability/असीमित दायित्व
(b) Secrecy/गोपनीयता
(c) Lower cost of management
प्रबन्ध की निम्न लागत
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (a) : एकल स्वामित्व व्यवसायिक संगठन का ऐसा स्वरूप है जिसमें एक ही व्यक्ति के पास उसके व्यवसाय से सम्बन्धित सभी प्रकार की शक्तियाँ होती हैं। एकल स्वामित्व संगठन का प्रमुख दोष या सीमाएं निम्नलिखित हैं–
i. पूंजी के सीमित साधन
ii. अस्थायी अस्तित्व
iii. असीमित दायित्व
iv. असंतुलित प्रबन्ध

60. **The branch of Economics which focuses on 'what should be' is:**
अर्थशास्त्र की वह शाखा, जो जोर देती है कि 'क्या होना चाहिए', कहलाती है-
(a) microeconomics/व्यष्टिभावी अर्थशास्त्र
(b) macroeconomics/समष्टिभावी अर्थशास्त्र
(c) normative economics/आदर्शात्मक अर्थशास्त्र
(d) positive economics/सकारात्मक अर्थशास्त्र

Ans. (c) : अर्थशास्त्र की वह शाखा, जो इस बात पर जोर देती है कि "क्या होना चाहिए" आदर्शात्मक अर्थशास्त्र कहलाती है। जबकि "क्या है" वास्तविक अर्थशास्त्र से सम्बन्धित विचारधारा है।

61. **Find out from the following table by which law the firm is working-**
निम्नांकित तालिका से ज्ञात कीजिए कि फर्म किस नियम से कार्य कर रही है?

Units of Input साधन की इकाइयाँ	Total Production कुल उत्पादन
1	10
2	25
3	50
4	85
5	135

(a) Law of diminishing returns/उत्पत्ति ह्रास नियम
(b) Law of constant returns/उत्पत्ति स्थिरता नियम
(c) Law of increasing returns/उत्पत्ति वृद्धि नियम
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (c) : उत्पादन की ऐसी अवस्था, जब उत्पादन इकाइयों या साधन की इकाइयों के उत्तरोत्तर प्रयोग से कुल उत्पादन में उत्तरोत्तर वृद्धि होती है, तो ऐसी दशा में उत्पत्ति वृद्धि नियम लागू होता है। उदाहरणार्थ-

साधन की इकाइयाँ	कुल उत्पादन
1	10
2	25
3	50 } उत्पत्ति वृद्धि नियम
4	85
5	135
6	135 उत्पत्ति समता नियम
7	130 उत्पत्ति ह्रास नियम

62. **What should be price elasticity of demand by proportionate method if Q_1 = 20000, Q_2 = 25000; P_1 = ₹ 10; P_2 = ₹ 8?**
यदि Q_1 = 20000, Q_2 = 25000; P_1 = ₹ 10; P_2 = ₹ 8 हो, तो माँग की कीमत लोच आनुपातिक रीति से कितनी होनी चाहिए?
(a) 1.25 (b) 1.50
(c) 1.20 (d) 1.00

Ans. (a) : यदि Q_1, = 20,000, Q_2 = 25000
P_1 = ₹10, P_2 = ₹ 8
तो, मांग की कीमत की अनुपातिक लोच

$$E_d = (-)\frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

$$E_d = (-)\frac{Q_2 - Q_1}{P_2 - P_1} \times \frac{P_1}{Q_1}$$

$$= (-)\frac{25000-20000}{8-10} \times \frac{10}{20000}$$

$$= (-)\frac{5000}{-2} \times \frac{10}{20000} = \frac{50}{40}$$

$$\boxed{E_d = 1.25}$$

63. **Which among the following is not an economic problem?**
निम्नलिखित में से कौन-सी एक आर्थिक समस्या नहीं है?
(a) Unlimited wants/असीमित आवश्यकताएँ
(b) Choice between wants/आवश्यकताओं का चुनाव
(c) Social injustice/सामाजिक अन्याय
(d) Limited resources/सीमित संसाधन

Ans. (c) : आर्थिक समस्या वह समस्या है, जिसका सम्बन्ध चुनाव की आवश्यकता से है, कि क्या, कैसे और किसके लिए उत्पादन करना है तथा आर्थिक प्रगति कैसे प्राप्त करनी है।
आर्थिक समस्या उत्पन्न होने के प्रमुख कारण है-
i. असीमित आवश्यकताएँ
ii. सीमित या दुर्लभ संसाधन
iii. आवश्यकताओं का चुनाव / वैकल्पिक प्रयोग
जबकि सामाजिक अन्याय, एवं आर्थिक समस्या नही है।

64. **Liberalization means:**
उदारीकरण से आशय होता है–
(a) Reducing number of industries
उद्योगों की संख्या घटाना
(b) Reducing competition/प्रतियोगिता घटाना
(c) Relaxing control mechanism
नियन्त्रण-तन्त्र में ढील
(d) Free determination of interest rate
ब्याज दर का स्वतंत्र निर्धारण

Ans. (c) : उदारीकरण आर्थिक सुधार की दिशा में उठाया गया एक महत्त्वपूर्ण कदम है। सामान्यत: उदारीकरण का आशय नियन्त्रण तन्त्र में ढील देने से होता है। मूलत: इसका अर्थ अर्थव्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप को कम कर बाजार प्रणाली पर निर्भरता बढ़ाना है। उदारीकरण का कृषि, उद्योग तथा सेवा तीनों क्षेत्रों पर अच्छा प्रभाव दिखता है।

65. **The inverse relationship between variations in the prices and quantity demanded is not due to:**
मूल्य तथा माँग की मात्रा में परिवर्तन के बीच विपरीत सम्बन्ध का कारण नहीं है-
(a) future expectation/भावी प्रत्याशा
(b) income effect/आय प्रभाव
(c) substitution effect/प्रतिस्थापन प्रभाव
(d) law of diminishing marginal utility
सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम

Ans. (b) : अन्य बातें समान रहने पर "मूल्य पर मांग की मात्रा में परिवर्तन के बीच विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–
i. भावी प्रत्याशा
ii. अन्य वस्तुओं के मूल्यों में परिवर्तन
iii. प्रतिस्थापन प्रभाव
iv. सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम

66. **Long-run cost curves are called:**
दीर्घकालीन लागत वक्र को कहा जाता है–
(a) operating curves/संचालन वक्र
(b) fixed curves/स्थिर वक्र
(c) variable curves/परिवर्तनीय वक्र
(d) planning curves/योजना वक्र

Ans. (d) : प्रत्येक प्लाण्ट का एक अल्पकालीन लागत वक्र होता है, इसकी सहायता से दीर्घकालीन लागत वक्रों को तैयार किया जाता है। दीर्घकालीन औसत लागत वक्र को निम्नलिखित नामों से जाना जाता है-
i. लिफाफा वक्र (Envelope Curve)- इस वक्र को लिफाफा वक्र भी कहा जाता है, क्योंकि यह सभी अल्पकालीन औसत लागत रेखाओं को ढक लेती है।
ii. योजना वक्र (Planning Curve)- दीर्घकालीन औसत लागत वक्र को योजना वक्र भी कहते हैं। इस वक्र की सहायता से फर्म यह योजना बना सकती है कि उत्पादन की विभिन्न मात्राओं के लिए कौन से प्लाण्ट का प्रयोग करे जिससे उत्पादन न्यूनतम लागत पर किया जा सके।

67. **Which of the following is called Gossen's first law?**
निम्नलिखित में से किसे गोसेन का प्रथम नियम कहा जाता है?
(a) Law of substitution/प्रतिस्थापन का नियम

(b) Law of equimarginal utility
सम-सीमान्त उपयोगिता नियम
(c) Law of diminishing marginal utility
सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम (Law of Diminishing marginal Ulitity), जिसे आवश्यकता सन्तुष्टि का नियम (Law of Satiety) कहते हैं, उपभोग का एक महत्वपूर्ण नियम है। दैनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित होने के कारण यह नियम सर्वमान्य एवं सार्वभौमिक है। इस नियम का सर्वप्रथम उल्लेख आस्ट्रियन अर्थशास्त्री एच. एच. गोसेन ने किया था। अत: इसे ''गोसेन का प्रथम नियम'' (Gossen's First Law) भी कहते हैं।

68. Which equation is correct in the case of monopoly?
एकाधिकार की दशा में कौन-सा समीकरण सही है?
(a) AR = MR (b) AR > MR
(c) AR < MR (d) AR = MR = 0

Ans. (b) : एकाधिकार की दशा में सीमान्त आगम (MR), औसत आगम (AR) से कम होता है। अर्थात,

$$\boxed{AR > MR}$$

क्योंकि-
एकाधिकार में -

$$MR = AR\left(\frac{e-1}{e}\right)$$

या, $$MR = AR\left(\frac{e}{e-1}\right)$$

जहाँ, e = मांग की लोच
इस प्रकार, एकाधिकार में AR तथा M R वक्रों का सम्बन्ध मांग की लोच पर निर्भर करता है।

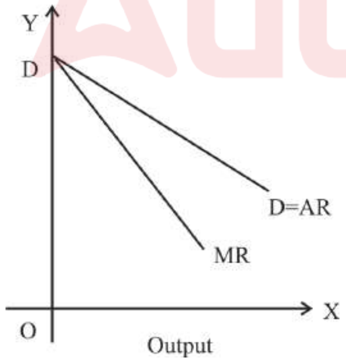

69. Demand for comforts is:
आराम की वस्तुओं की माँग होती है–
(a) highly elastic/अत्यधिक लोचदार
(b) elastic/लोचदार
(c) inelastic/अलोचदार
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : आराम और विलासिता की वस्तुएं कुल ऐसी होती हैं कि उनकी पूर्ति में वृद्धि के साथ सीमान्त उपयोगिता धीरे-धीरे गिरती है। फलत: उनके मूल्य में थोड़ी कमी होने पर उनकी मांग अधिक बढ़ जाती है, इससे ऐसी वस्तुओं की मांग लोचदार होती है। स्पष्टत: जिन वस्तुओं की सीमान्त उपयोगिता में धीरे-धीरे गिरावट आती है, उसकी मांग लोचदार होती है।

70. Malthusian theory of population is based on:
जनसंख्या का माल्थस सिद्धान्त आधारित है-
(a) law of demand as applied to population
माँग के नियम पर, जैसा जनसंख्या पर लागू होता है
(b) law of diminishing return as applied to agriculture/ह्रासमान प्रतिफल के नियम पर, जैसा कृषि पर लागू होता है
(c) law of marginal utility as applied to agriculture/सीमान्त उपयोगिता के नियम पर, जैसा कृषि पर लागू होता है
(d) law of marginal return as applied to population/सीमान्त प्रतिफल नियम पर, जैसा जनसंख्या पर लागू होता है

Ans. (b) : जनसंख्या का माल्थस सिद्धान्त ह्रासमान प्रतिफल के नियम पर आधारित है, जैसा कि कृषि पर लागू होता है। माल्थस ने अपने अनुमान और निरीक्षण के आधार पर जो निष्कर्ष निकाला, उसे माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त कहा जाता है। इसकी प्रमुख मान्यताएँ इस प्रकार है-
i. काम-वासना और सन्तानोत्पत्ति में प्रत्यक्ष और घनिष्ठ सम्बन्ध है।
ii. आर्थिक सम्पन्नता और सन्तानोत्पत्ति के मध्य सीधा और घनिष्ठ सम्बन्ध है।
iii. मनुष्य को जीवित रहने के लिए भोजन आवश्यक है।
iv. कृषि में उत्पादन ह्रास नियम लागू होता है।

71. In perfect competition, the demand curve of a firm is:
पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म का माँग वक्र
(a) Vertical/लम्बवत् होता है
(b) horizontal/क्षैतिज होता है
(c) positively sloped/धनात्मक रूप से ढालू होता है
(d) negatively sloped/ऋणात्मक रूप से ढालू होता है।

Ans. (b) : पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म का मांग वक्र X अक्ष के समान्तर अर्थात क्षैतिज होता है। सीमान्त आगम तथा औसत आगम परस्पर बराबर होता है।

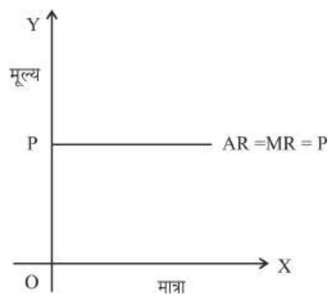

72. **'Reasoning from the general to the particular' in Economics is called:**
अर्थशास्त्र में 'सामान्य से विशेष के लिए तर्क देना' कहा जाता है:
(a) deductive method/निगमनात्मक पद्धति
(b) inductive method/आगमनात्मक पद्धति
(c) experimental method/प्रयोगात्मक पद्धति
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : अर्थशास्त्र में ''सामान्य से विशेष के लिए तर्क देना'' निगमनात्मक पद्धति के अन्तर्गत शामिल होता है। निगमनात्मक पद्धति में पूर्व निर्णीत सिद्धान्त या सामान्य सत्य से तर्क रीति द्वारा अज्ञात विशेष सत्य को प्रमाणित किया जाता है।
प्राय: ज्ञात सत्यों के आधार पर दो कथन होते हैं, जिनसे एक तीसरे सत्य का निगमन होता है।

73. **If price of any commodity decreases by 20% and the demand for that commodity increases by 40%, then elasticity of demand would be**
यदि किसी वस्तु की कीमत 20% कम होती है और उस वस्तु की माँग में 40% वृद्धि होती है, तो माँग की लोच होगी
(a) perfectly elastic/पूर्णतया लोचदार
(b) perfectly inelastic/पूर्णतया बेलोचदार
(c) unit elastic/इकाई लोचदार
(d) highly elastic/अत्यधिक लोचदार

Ans. (d) : यदि किसी वस्तु की कीमत 20% कम होती है और उसकी माँग में 40% वृद्धि होती है, तो माँग की लोच अत्यधिक लोचदार होगी।

$$E_d = (-)\frac{\%\,\text{change in quantity demanded}}{\%\,\text{change in price}}$$

$$E_d = (-)\frac{40}{-20}$$

$$E_d = 2$$

अत: E_d अत्यधिक लोचदार होगा।

74. **Economics has been defined as a science of unlimited ends having scarce means having alternative uses by:**
अर्थशास्त्र को सीमित साध्य सहित सीमित साधनों, जिनके वैकल्पिक उपयोग होते हैं, के विज्ञान के रूप में परिभाषित किया है–
(a) Adam Smith/एडम स्मिथ ने
(b) Alfred Marshall/अल्फ्रेड मार्शल ने
(c) A. C. Pigou/ए. सी. पीगू ने
(d) Robbins/रॉबिन्स ने

Ans. (d) : प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं सीमित साधन सम्बन्धी विचार धारा के समर्थक प्रो. राबिन्स ने अर्थशास्त्र को असीमित साध्य सहित सीमित साधनों, जिनके वैकल्पिक उपयोग होते हैं, के विज्ञान के रूप से परिभाषित किया है। राबिन्स की परिभाषा अधिक वैज्ञानिक है क्योंकि यह आर्थिक समस्या अर्थात् चुनाव करने के पहलू की बात करते हैं जो कि अर्थशास्त्र की विषय -सामग्री को मजबूत आधार प्रदान करती है।

75. **One of the essential conditions of perfect competition is:**
पूर्ण प्रतिस्पर्धा के लिए अनिवार्य शर्तों में एक है–
(a) only one price for identical goods at any time
किसी भी समय समान उत्पाद के लिए मात्र एक मूल्य
(b) product differentiation/उत्पाद भिन्नता
(c) multiplicity of prices for identical product at any time
किसी भी समय समान उत्पाद के लिए विभिन्न मूल्य
(d) many sellers and few buyers
अनेक विक्रेता एवं कुछ क्रेता

Ans. (a) : पूर्ण प्रतियोगिता बाजार की वह स्थिति है, जिसमें अनिवार्य रूप से ये विशेषताएं होती हैं–
i- उत्पादन की समरूप इकाईयाँ
ii- समान उत्पाद, समान मूल्य
iii- क्रेताओं तथा विक्रेताओं की बहुत बड़ी संख्या
iv- उत्पाद की पूर्ण लोचदार मांग
v- कृत्रिम प्रतिबन्धों या हस्तक्षेप की अनुपस्थिति
vi- फर्मो के प्रवेश तथा वहिर्गमन की स्वतंत्रता
vii- वस्तुओं और उत्पादन के कारकों की पूर्ण गतिशीलता
viii- बाजार की परिस्थितियों का पूर्ण ज्ञान
ix- परिवर्तन तथा बिक्री लागतों की अविद्यमानता

76. **Which condition of the following is shown by improvement in regular declining price level?**
मूल्य स्तर में होने वाली नियमित गिरावट में सुधार किस स्थिति को दर्शाती है?
(a) Inflation/मुद्रास्फीति
(b) Deflation/मुद्रा-संकुचन
(c) Reflation/मुद्रा-संस्फीति
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : मूल्य स्तर में होने वाली नियमित गिरावट में सुधार मुद्रा-संस्फीति (Reflation) की स्थिति को दर्शाता है। दूसरे शब्दों में मुद्रा संकुचन की स्थिति को सुधारने के लिए जानबूझ कर के मुद्रा की मात्रा में वृद्धि की जाती है और वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य में कमी की जाती है, वह मुद्रा संस्फीति कहलाती है।

77. In the process of disinflation, the rate of inflation:
मुद्रा-अपस्फीति की प्रक्रिया में मुद्रास्फीति की दर-
(a) decreases/घटती है
(b) increases/बढ़ती है
(c) remains constant/स्थिर रहती है
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : जब देश में मुद्रा-स्फीति उत्पन्न हो जाती है तो उसे सामान्य स्तर पर लाने के लिए मुद्रा की मात्रा में कमी की जाती है, जिसे मुद्रा-अपस्फीति कहा जाता है। मुद्रा अपस्फीति की प्रक्रिया में मुद्रा-स्फीति की दर घटती (Decreases) है।

78. Which of the following would be treated as 'worst money' according to Gresham's law?
ग्रेशम के नियम के अनुसार, निम्न में से कौन-सी 'सबसे बुरी मुद्रा' होगी?
(a) Representative paper money/प्रतिनिधि पत्रमुद्रा
(b) Convertible paper money/परिवर्तनशील पत्रमुद्रा
(c) Non-convertible paper money
अपरिवर्तनशील पत्रमुद्रा
(d) Fiat money/प्रादिष्ट मुद्रा

Ans. (b) : सर थॉमस ग्रेशम ने महारानी ऐलिजावेथ को आर्थिक परामर्श के रूप में बताया था कि खराब मुद्रा अगर सीमित नहीं है, तब अच्छी मुद्रा को चलन से बाहर निकाल देती है। ग्रेशम के नियम के अनुसार परिवर्तनशील मुद्रा सबसे बुरी मुद्रा होगी।

79. If bank rate is reduced by RBI, credit cration will be:
रिजर्व बैंक द्वारा बैंक दर में कमी करने से साख सृजन
(a) reduced/में कमी होगी
(b) constant/स्थिर रहेगी
(c) increased/में वृद्धि होगी
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : रिजर्व बैंक द्वारा बैंक दर में कमी करने से साख सृजन में वृद्धि होगी। बैंक दर नीति साख मुद्रा पर नियन्त्रण रखने की अप्रत्यक्ष एवं महत्त्वपूर्ण विधि है। बैंक दर, वह दर है, जिस पर किसी देश का केन्द्रीय बैंक, व्यापारिक बैंको को सरकारी एवं अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों की जमानत पर ऋण प्रदान करता है। इसे कटौती की दर (Discount Rate) भी कहते है।

साख-निर्माण

बैंक दर में कमी⟶ ब्याज दर में कमी⟶ व्यापारिक बैंको से ऋण मिलना सस्ता

साख का विस्तार ⟵ व्यापारिक बैंकों द्वारा ⟵ अधिक ऋण मांग

↓ अधिक साख निर्माण

(अर्थात बैंक दर की कमी सस्ती मुद्रा का सूचक है)

80. Which of the following banks stimulates the agricultural and rural development?
निम्न में से कौन-सा बैंक कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करता है?
(a) EXIM Bank/एक्जिम बैंक
(b) Exchange Bank/विनिमय बैंक
(c) HDFC Bank/एच. डी. एफ. सी. बैंक
(d) NABARD/नाबार्ड

Ans. (d) : राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (NABARD) कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित करता है। कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीय बैंक नाबार्ड की स्थापना 12 जुलाई 1982 को शिवरामन समिति की संस्तुति पर हुई थी। नाबार्ड ग्रामीण साख व्यवस्था में सबसे शीर्ष संस्था है। ग्रामीण अवस्थापना या बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में 1995-96 में 2000 करोड़ रूपये से ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष की स्थापना की गयी। इसका संचालन नाबार्ड द्वारा किया गया था।

81. Which one of the following is not a method of credit control?
निम्न में से कौन-सा एक साख नियन्त्रण का उपाय नहीं है?
(a) Bank rate policy/बैंक दर नीति
(b) Open market operations/खुले बाजार की क्रियाएँ
(c) Cash reserve ratio/नकद कोष अनुपात
(d) Credit deposit ratio/साख जमा अनुपात

Ans. (d) : साख नियन्त्रण के प्रमुख उपाय निम्नलिखित है-

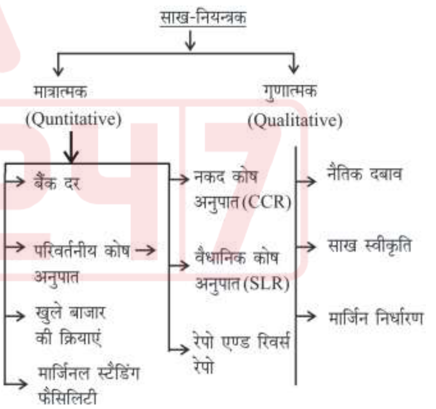

82. Which one of the following is not a function of Central Bank?
निम्नलिखित में से कौन-सा केन्द्रीय बैंक का कार्य नही है?
(a) Monopoly of issuing note
नोट निर्गमन का एकाधिकार
(b) Credit creation/साख निर्माण
(c) Custodian of foreign exchange funds
विदेशी विनिमय कोषों का संरक्षण
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : केन्द्रीय बैंक देश के मौद्रिक प्रणाली की सर्वोच्च संस्था है। देश की मौद्रिक नीति का सृजन तथा नियन्त्रण इसका सबसे महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं भारत के केन्द्रीय बैंक (RBI) का प्रमुख कार्य इस प्रकार है–

1- करेंसी अथवा नोट निर्गमन का एकाधिकारी
2- सरकार का बैंकर
3- बैंकों का बैंक
4- साख नियन्त्रक
5- विदेशी विनिमय कोष का संरक्षक/संरक्षण
6- साख स्थिरीकरण

83. How many letters and digits are there in IFSC?
आई. एफ. एस. सी. में कितने अक्षर और अंक होते हैं?

(a) 7 (b) 10
(c) 13 (d) 11

Ans. (d) : IFSC का पूरा नाम "Indian finance system code" (भारतीय वित्तीय प्रणाली संधिता) है। यह हर एक बैंक ब्रांच का यूनिक कोड होता है। ये 11 अंक और अक्षर कोड होता है। उदाहरण के रूप में पेटीएम पेमेन्ट बैंक का IFSC इस प्रकार है–

PYT M0 123456

four character — बैंक का नाम
(For future)
six number — ब्रांच कोड (लोकेशन सहित)

84. "Money is a standard for deferred payments." This function of money comes in the category of:
''मुद्रा स्थगित भुगतान के लिए एक मानक है।'' मुद्रा का यह कार्य निम्न श्रेणी में से किसमें आता है?

(a) primary function/प्राथमिक कार्य
(b) secondary function/माध्यमिक कार्य
(c) contingent function/आकस्मिक कार्य
(d) Other function/अन्य कार्य

Ans. (b) : ''मुद्रा स्थगित भुगतान के लिए मानक है।'' यह मुद्रा का माध्यमिक या द्वितीयक कार्य होता है। मुद्रा के कार्य इस प्रकार है।

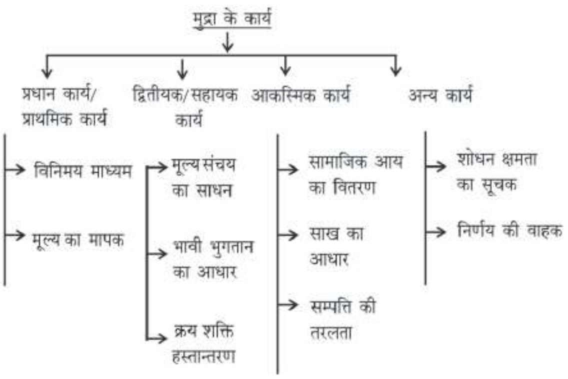

85. Online banking is not known as:
ऑनलाइन बैंकिंग को निम्न में से किस रूप में नहीं जानते हैं?

(a) Internet banking/इन्टरनेट बैंकिंग
(b) virtual banking/वर्चुअल बैंकिंग
(c) e- banking/ई-बैंकिग
(d) instrument banking/औजार बैंकिंग

Ans. (d) : नेट बैंकिंग जिसे ऑनलाइन बैंकिंग भी कहते हैं, एक इलेक्ट्रानिक भुगतान प्रणाली है जो बैंक या अन्य वित्तीय संस्थान के ग्राहकों को वित्तीय संस्था की वेबसाइट के माध्यम से वित्तीय लेन-देन की एक श्रृंखला का संचालन करने में सक्षम बनाती है। ऑनलाइन बैंकिंग प्रणाली को निम्नलिखित रूप में जानते हैं–

– इण्टरनेट बैंकिंग
– वर्चुअल बैंकिंग
– ई-बैंकिंग या इलेक्ट्रानिक बैंकिंग

86. Which of the following is not the plastic money?
निम्नलिखित में से कौन-सी प्लास्टिक मुद्रा नहीं है?

(a) Smart Card/स्मार्ट कार्ड
(b) Cheque/चेक
(c) Debit Card/डेबिट कार्ड
(d) Credit Card/क्रेडिट कार्ड

Ans. (b) : प्लास्टिक मुद्रा (Plastic Money) एक ऐसा शब्द है, जिसका उपयोग मुख्यत: उन प्लास्टिक के बने कार्डों के सन्दर्भ में किया जाता है, जिनका उपयोग हम वास्तविक बैंक नोटों के स्थान पर प्रतिदिन करते हैं। प्लास्टिक मुद्रा के अनेक रूप हैं–

1- डेबिट कार्ड
2- क्रेडिट कार्ड
3- कैश कार्ड
4- प्री-पेड कैश कार्ड
5- स्टोर कार्ड
6- स्मार्ट कार्ड

Note :- यह कार्ड प्लास्टिक का बना होता है, इसलिए भी इसका नाम प्लास्टिक मुद्रा पड़ा है।

87. Money which performs the functions as medium of exchange is called-
मुद्रा, जो विनियम के माध्यम के रूप में कार्य करती है, कहलाती है-

(a) commodity money/वस्तु मुद्रा
(b) accounting money/लेखांकन मुद्रा
(c) real money/वास्तविक मुद्रा
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : मुद्रा जो विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करती है, वास्तविक मुद्रा कहलाती है। दूसरे शब्दो में, वास्तविक मुद्रा वह होती है जो किसी देश में वास्तव में प्रचलित होती है। सिक्के तथा नोट वास्तविक मुद्रा होते हैं। कीन्स ने वास्तविक मुद्रा को दो भागों में बाँटा है–

i- पदार्थ मुद्रा ii- प्रतिनिधि मुद्रा

88. **Which of the following sanctions foreign exchange for import goods?**
माल के आयात के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा विदेशी विनियम स्वीकृत करता है?
(a) Exchange Bank/विनियम बैंक
(b) Reserve Bank of India/भारतीय रिजर्व बैंक
(c) Ministry of External Affairs of GOI
भारत सरकार का विदेशी मामलों से सम्बन्धित मन्त्रालय
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : माल के आयात के सन्दर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) विदेशी विनिमय स्वीकृत करता हैं रिजर्व बैंक देश में विदेशी पूंजी की मांग व पूर्ति का ध्यान रखती है। उसमें सन्तुलन बनाए रखने की कोशिश करता है। विदेशी मुद्राओं का कोष रिजर्व बैंक के अधिकार में होता है और इसमें से कोई भी भुगतान उसकी स्वीकृति से ही किया जा सकता है।

89. **When supply of money declines, then price of goods:**
जब मुद्रा की पूर्ति में कमी होती है, तब वस्तुओं की कीमतें-
(a) increases/बढ़ती है
(b) decreases/घटती है
(c) remains constant/स्थिर रहती हैं
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : जब मुद्रा की पूर्ति में कमी होती है तो वस्तुओं की कीमतें घटती हैं, जबकि मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि होती है, तो वस्तुओं की कीमते बढ़ जाती हैं।
मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त के अनुसार "अन्य बातें समान रहने पर" यदि मुद्रा के परिमाण में परिवर्तन होता है, तो मुद्रा के मूल्यों में भी परिवर्तन होता है।

90. **Regulatory authority of regional rural bank is-**
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की नियमन संस्था है-
(a) NABARD/नाबार्ड
(b) Central Government/केन्द्रीय सरकार
(c) State Government/राज्य सरकार
(d) Sponsor Bank/प्रवर्तक बैंक

Ans. (a) : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना "नरसिंहम समिति" (1975) की सिफारिशों के आधार पर 26 सितम्बर, 1975 को केन्द्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश के तहत वर्ष 1975 में की गई थी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1975 के माध्यम से इस अध्यादेश को संवैधानिक मान्यता प्रदान कर दी गई थी। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का विनियमन "राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक" (NABARD) के द्वारा किया जाता है।
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का संचालन भारत सरकार, राज्य सरकार और प्रायोजन बैंकों के सहयोग से किया जाता है। इस बैंक में भारत सरकार, प्रायोजक बैंकों तथा संबंधित राज्यों की हिस्सेदारी क्रमश: 50%, 35% और 15% है।

91. **If median = 54 and mean = 60, mode will be-**
यदि माध्यिका = 54 और माध्य = 60 हो, तो बहुलक होगा-
(a) 40
(b) 42
(c) 44
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : यदि, माध्यिका (m) = 54
माध्य $(\bar{x}) = 60$
तो बहुलक (Z) = ?
सूत्रानुसार $Z = 3M - 2\bar{X}$
$Z = (3\times54) - (2\times60)$
$= 162-120$
$= 42$

92. **Mean Deviation is which part of Standard Deviation?**
माध्य विचलन, मानक विचलन का कौन-सा भाग होगा?
(a) $\frac{3}{4}$
(b) $\frac{4}{5}$
(c) $\frac{5}{4}$
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : माध्य विचलन (M.D) मानक विचलन (S.D.) तथा चतुर्थक विचलन के मध्य निम्नलिखित सम्बन्ध होता है–
4 SD = 5MD = 6QD
अर्थात् 4 मानक विचलन = 5 माध्य विचलन = 6 चतुर्थक विचलन
तो, माध्य विचलन = $\frac{4}{5}$ मानक विचलन = $\frac{6}{5}$ चतुर्थक विचलन

93. **In a place, average rainfall was 6 cm during Monday to Saturday. Due to heavy rainfall on Sunday the average of the week was increased to 9 cm. The rainfall on Sunday will be:**
किसी स्थान पर सोमवार से शनिवार तक की औसत वर्षा 6cm थी। रविवार को अत्यधिक वर्षा के कारण पूरे सप्ताह का औसत बढ़कर 9cm हो गया। रविवार की वर्षा होगी-
(a) 25.5 cm
(b) 27 cm
(c) 28.5 cm
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (b) : सोमवार से शनिवार तक वर्षा का औसत = 6cm
तो सोमवार से शनिवार तक कुल वर्षा = 6 cm×6
= 36 cm
रविवार को अत्यधिक वर्षा के कारण साप्ताहिक औसत वर्षा = 9 cm
9 cm औसत वर्षा होने पर सोमवार से रविवार तक कुल वर्षा
= 9cm×7
= 63cm
तो, रविवार को हुई कुल वर्षा = 63cm - 36cm
= 27 cm

94. The mean marks of 100 students were found to be 40. Later on it was discovered that a score of 53 was misread as 83. The correct mean will be-
100 छात्रों के प्राप्तांकों का औसत 40 निकाला गया परन्तु बाद में प्राप्त हुआ कि एक प्राप्तांक भूल से 53 के स्थान पर 83 पढ़ लिया गया था। शुद्ध माध्य होगा-
(a) 39.7
(b) 39.8
(c) 39.9
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : 100 छात्रों के प्राप्ताकों का औसत = 40
तो, 100 छात्रों का कुल प्राप्तांक = 100×40
= 4000
किन्तु एक प्राप्तांक को भूल वश 53 के स्थान पर 83 पढ़ लिया गया, तो ऐसी दशा में यदि 83 के स्थान पर 53 पढ़ा जायेगा, तो कुल प्राप्तांक = 4000–83+53
= 3970
अत: 100 छात्रों का सही औसत = $\frac{3970}{100}$
= 39.70

95. Reciprocal of 0.062 is-
0.062 का व्युत्क्रम है-
(a) 0.1613 (b) 1.613
(c) 16.13 (d) 161.3

Ans. (c) : किसी मूल्य का व्युत्क्रम (Reciprocal) वह संख्या होती है, जो 1 मे उस मूल्य का भाग देने से उपलब्ध होती है। उदाहरणार्थ
0.062 का व्युत्क्रम = $\frac{1}{0.062}$
= 16.1290
= 16.13 (Approx)
व्युत्क्रम तालिका की सहायता से व्युत्क्रम आसानी से ज्ञात किया जा सकता है। हरात्मक माध्य की गणना के लिए व्युत्क्रम तालिका का उपयोग किया जाना चाहिए।

96. Which relationship is not correct?
कौन-सा सम्बन्ध सही नहीं है?
(a) $Z = 3m - 2\bar{x}$
(b) $M = \frac{1}{3}(2\bar{x} - Z)$
(c) $\bar{x} = \frac{1}{2}(3m - Z)$
(d) $\bar{x} = \frac{1}{3}(2m - Z)$

Ans. (d) : समान्तर माध्य $\overline{X}$ और माध्यिका (m) दिया होने पर बहुलक (z) गणना हेतु निम्नलिखित सूत्र का प्रयोग करते है–
$Z = 3m - 2\overline{X}$ ....(i)
या $-3m = -z - 2\overline{X}$
या $m = \frac{1}{3}(2\overline{X} + z)$................(ii)
या $2\overline{X} = 3m - z$
या $\overline{X} = \frac{1}{2}(3m - z)$..............(iii)
Note :- स्पष्ट है कि विकल्प (b) एवं (d) दोनों सही नहीं है।

97. Standard Deviation is calculated on the basis of
मानक विचलन की गणना किस आधार पर की जाती है?
(a) mean/माध्य
(b) median/माध्यिका
(c) mode/बहुलक
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a) : मानक विचलन को प्रमाणिक विचलन (S.D) भी कहते हैं। इसको स्माल सिग्मा (σ) द्वारा व्यक्त किया जाता है। विचरण शीलता के सन्दर्भ में मानक विचलन सर्वाधिक उपयोगी माना जाता है। मानक विचलन को संक्षिप्त में प्रसरण का वर्गमूल (Square Root of the Variance) भी कहा जाता है। मानक विचलन की गणना माध्य के आधार पर की जाती है।

98. Coefficient of quartile deviation is calculated by
चतुर्थक विचलन गुणांक की गणना निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?
(a) $\frac{Q_3 - Q_1}{4}$ (b) $\frac{Q_3 + Q_1}{2}$
(c) $\frac{Q_3 + Q_1}{Q_3 - Q_1}$ (d) $\frac{Q_3 - Q_1}{Q_3 + Q_1}$

Ans. (d) : चतुर्थक विचलन (Q.D) = $\frac{Q_3 - Q_1}{2}$
जबकि चतुर्थक विचलन गुणांक = $\frac{Q_3 - Q_1}{Q_3 + Q_1}$

99. **Mean Deviation is equal to**
माध्य विचलन बराबर होता है

(a) $\frac{5}{4}$SD (b) $\frac{4}{5}$SD

(c) $\frac{2}{3}$QD (d) $\frac{6}{5}$QD

Ans. (b) : मानक विचलन, माध्य विचलन तथा चतुर्थक विचलन के मध्य निम्नलिखित सम्बन्ध पाया जाता है-

$$4SD = 5MD = 6QD$$

अर्थात 4 मानक विचलन = 5 माध्य विचलन = 6 चतुर्थक विचलन

तो, माध्य विचलन $\frac{4}{5}$ मानक विचलन = $\frac{6}{5}$ चतुर्थक विचलन

या $MD = \frac{4}{5}SD = \frac{6}{5}$ QD

100. **Which of the following is a relative measure of dispersion?**
अपकिरण का सापेक्ष माप निम्नलिखित में से क्या है?

(a) Standard Deviation/मानक विचलन
(b) Variance/विचरण
(c) Coefficient of Variance/विचरण का गुणांक
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : सापेक्ष माप संमक श्रेणी की इकाई में व्यक्त न होकर एक अनुपात या प्रतिशत के रूप में व्यक्त होती है। अपकिरण के सापेक्ष माप को अपकिरण गुणांक (Co-efficient of dispersion) भी कहते है। अपकिरण के सापेक्ष व निरपेक्ष माप निम्नलिखित हैं-
सापेक्ष माप- विस्तार गुणांक, चतुर्थक विचलन गुणांक, माध्य विचलन गुणांक, प्रमाप विचलन गुणांक तथा विचरण का गुणांक इत्यादि।
निरपेक्ष माप- विस्तार, चतुर्थक विचलन, अन्तर चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, प्रमाप विचलन, लारेन्स वक्र

101. **"Statistics is the science of estimates and probabilities." This statement is given by**
''सांख्यिकी अनुमानों और सम्भावनाओं का विज्ञान है।'' यह कथन देने वाले हैं-

(a) Webster/वेब्स्टर
(b) Bowley/बाउले
(c) Boddington/बोडिंगटन
(d) Seligman/सेलिगमैन

Ans. (c) : सांख्यिकी विद वोडिंगटन महोदय ने सांख्यिकी की संकुचित परिभाषा देते हुये लिखा है कि ''सांख्यिकी अनुमानों व संभावनाओं का विज्ञान है।'' इन्होंने सांख्यिकी के क्षेत्र को सीमित करते हुए इसे केवल विज्ञान माना है, न कि कला और विज्ञान दोनों।
बाउले के अनुसार- ''सांख्यिकी गणना का विज्ञान है।''
प्रो. सेलिगमैन के अनुसार- ''सांख्यिकी वह विज्ञान है जो किसी अनुसंधान के क्षेत्र पर प्रकाश डालने के लिए संख्यात्मक आँकड़ों के संग्रहण, प्रस्तुतीकरण, वर्गीकरण, तुलना व निर्वचन की रीतियों का प्रयोग करता है।''

102. **If variance is 625, then Standard Deviation is**
यदि विचरण 625 है, तो मानक विचलन होगा

(a) 25 (b) 15
(c) 30 (d) 20

Ans. (a) : विचरण (Variance) तथा मानक विचलन (σ)के मध्य निम्नलिखित सम्बन्ध होता है-

Variance = σ 2

or $\sigma = \sqrt{\text{variance}}$

तो $\sigma = \sqrt{625}$

$\sigma = 25$

103. **A shopkeeper wants to stock shoes. The best suitable average for him will be**
एक दुकानदार जूतों का स्टॉक करना चाहता है। उसके लिए सबसे उपयुक्त माध्य होगा

(a) arithmetic mean/अंकगणितीय माध्य
(b) median/माध्यिका
(c) mode/बहुलक
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : एक दुकानदार जूतों का स्टॉक करना चाहता है, तो इसके लिए सबसे उपयुक्त माध्य बहुलक होगा, क्योंकि जिस जूते की आवृत्ति या बारम्बारता ज्यादा होगी, दुकानदार उसी जूते को अधिक मात्रा में अपने स्टॉक में रखेगा।

104. **If median is 31 and arithmetic average is 33, the value of mode will be**
अगर माध्यिका 31 और गणितीय औसत 33 है, तो बहुलक (mode) का मान होगा

(a) 37 (b) 27
(c) 29 (d) 32

Ans. (b) : दिया है-

माध्यिका (M) = 31

गणितीय माध्य $\overline{X} = 33$

तो, बहुलक $(Z) = 3M - 2\overline{X}$

या $Z = (31\times3) - (2\times33)$

$= 93-66$

$= 27$

105. **Which of the following is not a mathematical average?**
निम्नलिखित में से कौन-सा गणितीय माध्य नहीं है?

(a) Arithmetic average/समान्तर माध्य
(b) Geometric mean/गुणोत्तर माध्य

Adda247
GET IT ON Google Play

(c) Harmonic mean/हरात्मक माध्य

(d) Mode/बहुलक

Ans. (d) : सांख्यिकीय औसत को मुख्यत: दो भागों में बाँटा जाता है-

A - गणितीय माध्य-(Mathematical Average)

i- गणितीय औसत या समान्तर माध्य ($\overline{X}$)

ii- गुणोत्तर माध्य (G.M)

iii-हरात्मक माध्य (H.M)

B - स्थिति माध्य-

i- माध्यिका (m)

ii- बहुलक (z)

iii-विभाजन मूल्य

106. If the first quartile is 142 and the semi-interquartile range is 18, then assuming the distribution to be symmetrical, the value of median is

यदि प्रथम चतुर्थक 142 है और अर्द्ध-अन्तरचतुर्थक विस्तार 18 हो, बंटन को सममित मानते हुए, माध्यिका का मूल्य होगा

(a) 151 (b) 160

(c) 171 (d) 180

Ans. (a) : दिया है-

प्रथम चतुर्थक $Q_1 = 142$

अर्द्ध चतुर्थक (Quartile rance) = 18

तो माध्यिका =?

अन्तर चतुर्थक विस्तार $= Q_3 – Q_1$, $Q_2 = Q_1 + \frac{IQR}{2}$

अत: माध्यिका $= 142 + \left(\frac{18}{2}\right)$

$= 151$

Note- Q2 तथा m का मान समान होता है।

107. The main object of auditing is

अंकेक्षण का प्रमुख उद्देश्य है

(a) detection of errors/त्रुटियों का पता लगाना

(b) detection of fraud/कपटों का पता लगाना

(c) to find out whether Profit & Loss A/c and Balance Sheet show true and fair state of affairs/यह पता लगाना कि लाभ-हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा सही एवं उचित स्थिति का प्रदर्शन करता है।

(d) detection and prevention of frauds and errors/कपटों एवं त्रुटियों का पता लगाना तथा रोकना

Ans. (c) : अंकेक्षण का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना होता है कि लाभ-हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा सही एवं उचित स्थिति का प्रदर्शन करता है। जांच में यह देखा जाता है कि लेखे नियमानुसार सही हैं व व्यापार की सही व उचित स्थिति का प्रदर्शन करते हैं।

इस प्रकार मुख्य उद्देश्य के अन्तर्गत हिसाब किताब की सत्यता, पूर्णता तथा नियमानुकूलता का ज्ञान प्राप्त कर इसका उल्लेख अंकेक्षण रिपोर्ट में किया जाता है।

सहायक उद्देश्य

i- त्रुटियों का पता लगाना

ii- कपटों का पता लगाना

iii- नैतिक प्रभाव बनाए रखना इत्यादि

108. Propriety audit refers to

औचित्य अंकेक्षण का तात्पर्य है

(a) verification of accounts/खातों के सत्यापन से

(b) examination of accounts of sole proprietory institutions
एकल स्वामित्व वाली संस्थाओं के खातों की जाँच से

(c) examination of need and rationale of expenses
व्ययों की आवश्यकता तथा औचित्य की जाँच से

(d) audit of government companies
सरकारी कम्पनियों के अंकेक्षण से

Ans. (c) : परिव्यय अंकेक्षण (Cost Audit) के मुख्यत: दो पहलू है-

i- औचित्य अंकेक्षण (Propriety Audit)

ii- निपुणता या कुशलता अंकेक्षण (Efficiency Audit)

औचित्य अंकेक्षण का तात्पर्य व्ययों की आवश्यकता तथा औचित्य की जाँच से है। दूसरे शब्दों में, औचित्य अंकेक्षण द्वारा देखा जाता है कि नियोजित व्यय अधिकाधिक लाभ प्रदान कर रहा है कि नहीं, खर्च का आकार तथा मार्ग ठीक है कि नहीं अथवा किसी वैकल्पिक ढंग से व्यय करके लाभ को बढ़ाया जा सकता है कि नही।

109. Vouching implies:

प्रमाणन है-

(a) inspection of receipts/रसीदों का निरीक्षण

(b) examination of vouchers to check authenticity of records/रिकार्डों के प्रामाणिकता की जाँच के लिए प्रमाणकों का परीक्षण

(c) surprise checking of accounting records
लेखांकित रिकार्डों की आकस्मिक जाँच

(d) examining the various assets
विभिन्न सम्पत्तियों का परीक्षण

Ans. (b) : प्रमाणन के अन्तर्गत रिकार्डों की प्रमाणिक जाँच के लिए प्रमाणकों का परीक्षण किया जाता है। प्रमाणन के अन्तर्गत प्रारम्भ लेखा पुस्तकों में किए गए लेखों के प्रमाणकों से जाँच करके इन लेखों की सत्यता, शुद्धता और अधिकृत होने का पता लगाया जाता है। जिन प्रमाणकों से लेखों की जाँच की जाती है, उन प्रमाणकों की सत्यता तथा शुद्धता को भी देखा जाता है, तभी इसके आधार पर किए गए लेखों की सत्यता प्रमाणित की जा सकती हैं।

Adda247 GET IT ON Google Play

110. Purchase Returns should be vouched with the help of
क्रय वापसी का प्रामणन किया जाना चाहिए

(a) credit notes/क्रेडिट नोट से
(b) bought notes/क्रय नोट से
(c) goods inwards book/माल आवक बही से
(d) cashbook/रोकड़-बही से

Ans. (a) : क्रय वापसी बही का प्रमाणन-
पुस्तकें तथा लेखे- क्रय वापसी बही, लेनदारों के खाते तथा माल बाहरी पुस्तक, मूल्य प्रमाणक, प्राप्त जमा पत्र (Received Credit Notes)
गौण प्रमाणक - निर्गमित नाम पत्र, माल निकास पत्र का पत्र-व्यवहार
Note- क्रय वापसी के बदले विक्रेताओं से प्राप्त जमा पत्रों (Credit Notes) क्रय वापसी बही की प्रविष्टियों की जाँच करनी चाहिए, इसके विवरण समान होने चाहिए।

111. In respect of forfeiture of shares, the auditor should see
अंशों के हरण के सम्बन्ध में अंकेक्षक को देखना चाहिए

(a) Memorandum of Association/पार्षद सीमानियम
(b) Articles of Association/पार्षद अन्तर्नियम
(c) Chairman's Speech/अध्यक्षीय भाषण
(d) Duties of the Accountant/लेखपालक के कर्त्तव्य

Ans. (b) : अशों के हरण के सम्बन्ध में अंकेक्षक को कम्पनी का पार्षद अन्तर्नियम देखना चाहिए। साथ ही कम्पनी के पार्षद अन्तर्नियम में मुख्य रूप से निम्नलिखित बातों का समावेश होता है-
i. कम्पनी अधिनियम की प्रथम अनुसूची सारणी 'अ' किस सीमा तक लागू होगी।
ii. कम्पनी के अंदर व बाहर के व्यक्तियों के साथ किए गये अनुबन्धों का विवरण
iii. अंशपूंजी के विभिन्न प्रकार
iv. अंशों के वितरण करने की विधि
v. याचना की राशि व प्राप्ति की विधि
vi. अंश प्रमाण पत्र जारी करने की विधि
vii. अंशों के हरण व पुनर्निर्गमन की विधि
viii. सदस्यों के अधिकार व मताधिकार
नोट- टेबल A के स्थान पर पार्षद अन्तर्नियम के लिए कम्पनी अधिनियम 2013 में अब टेबल F देखी जाती है।

112. Which of the following is called backbone of auditing?
निम्नलिखित में से किसे अंकेक्षण की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है?

(a) Routine checking/नैत्यक जाँच को
(b) Internal check/आन्तरिक रोकथाम को
(c) Verification/सत्यापन को
(d) Vouching/प्रमाणन को

Ans. (d) : प्रमाणन को अंकेक्षण की रीढ़ की हड्डी कहा जाता है। प्रमाणन से लेखों की शुद्धता का ज्ञान होता है। यदि अंकेक्षण प्रमाणन के कार्य को चतुराई से पूरा कर लेता है तो आगे का कार्य सुलभ हो जाता है। आगे के सभी वर्गों के लिए प्रमाणन प्रमुख आधार माना जाता है। इसी कारण यह कहा जाता है कि प्रमाणन, अंकेक्षण की रीढ़ की हड्डी है।

113. Internal control covers
आन्तरिक नियन्त्रण में शामिल होते हैं

(a) statutory audit, internal audit and internal check/वैधानिक अंकेक्षण, आन्तरिक अंकेक्षण तथा आन्तरिक जाँच
(b) internal check and internal audit only
केवल आन्तरिक जाँच तथा आन्तरिक अंकेक्षण
(c) internal check, internal audit and physical control of assets/आन्तरिक जाँच, आन्तरिक अंकेक्षण तथा सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन
(d) internal check, internal audit, statutory audit and physical verification of assets
आन्तरिक जाँच, आन्तरिक अंकेक्षण, वैधानिक अंकेक्षण तथा सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन

Ans. (b) : आन्तरिक नियन्त्रण में आन्तरिक जाँच तथा आन्तरिक अंकेक्षण को शामिल किया जाता है। आन्तरिक नियन्त्रण में आन्तरिक निरीक्षण तथा लेखा परीक्षण शाखाओं/नियन्त्रण कार्यालयों से उच्च स्तर के कार्यालयों में कट्रोल रिटर्न का समावेश, नियन्त्रण अधिकारियों का फील्ड स्तर के कार्यालयों का दौरा, जोखिम प्रबन्धन प्रणाली दस्तावेजीकरण प्रणालियों का सरलीकरण तथा अंतर कार्यालयी कम्युनिकेशन चैनलों में सक्षमता शामिल है।

114. 'Protection of investors' is which object of auditing?
'विनियोजकों की सुरक्षा' अंकेक्षण का कौन-सा उद्देश्य है?

(a) Social/सामाजिक (b) Economic/आर्थिक
(c) Primary/प्राथमिक (d) Subsidiary/सहायक

Ans. (d) : ''विनियोजकों की सुरक्षा'' अंकेक्षण का सहायक उद्देश्य के अन्तर्गत शामिल होता है। इसके अतिरिक्त त्रुटियों का पता लगाना, छल-कपटों का पता लगाना तथा त्रुटियों एवं छल-कपटों को रोकना अंकेक्षण का सहायक उद्देश्य है।
Note- जिन उद्देश्यों की सहायता से मुख्य उद्देश्यों की पूर्ति होती है उसे सहायक उद्देश्य कहते हैं।

115. Under vouching, checking is done of-
प्रमाणन के अन्तर्गत जाँच की जाती है-

(a) books of elementary entry
प्रारम्भिक लेखा पुस्तकों की

(b) final books of accounts/अन्तिम लेखा पुस्तकों की
(c) Balance Sheet/आर्थिक चिट्ठा की
(d) All of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (a) : प्रमाणन के अन्तर्गत मुख्यत: प्रारम्भिक लेखा पुस्तकों की जाँच की जाती है। अंकेक्षण के लिए हिसाब-किताब की पुस्तकों के लेखों को प्रमाणित करना विशेष महत्वपूर्ण कार्य होता है। प्रमाणन से लेखों की शुद्धता का ज्ञान होता है। प्रमाणन के अन्तर्गत नैत्यक जाँच शामिल होता है।

116. For Tata Company Ltd., auditing is-
टाटा कम्पनी लि. के लिए अंकेक्षण है-

(a) necessity/आवश्यकता
(b) luxury/विलासिता
(c) symbol of prestige/प्रतिष्ठामूलक
(d) necessity and luxury both
आवश्यकता एवं विलासिता दोनों

Ans. (a) : टाटा कम्पनी लिमिटेड के लिए अंकेक्षण आवश्यकता है। क्योंकि यह कम्पनी अधिनियम के द्वारा आवश्यक किया गया है।
i. छल-कपट का पता लगाने से सहायक होगा
ii. कार्य-क्षमता में वृद्धि होगी
iii. ख्याति का आकलन एवं वृद्धि
iv. विभिन्न अवसरों का उपयोग करने में सहायक
v. अनियमितताओं का ज्ञान
vi. तुलना द्वारा कार्यक्षमता में वृद्धि में सहायक

117. In vouching, salary register should be compared with
प्रमाणन में वेतन रजिस्टर का मिलान किया जाना चाहिए

(a) payment book/भुगतान बही से
(b) cashbook/रोकड़-बही से
(c) wages register/मजदूरी रजिस्टर से
(d) cash voucher/रोकड़ वाउचर से

Ans. (b) : प्रमाणन में वेतन रजिस्टर का मिलान रोकड़ बही से किया जाना चाहिए, जिससे इस बात की जानकारी प्राप्त होती है कि वेतन के रूप में कितने रोकड़ का भुगतान किया गया है।

118. When the audit is conducted regularly or irregularly throughout the year, it is called as
जब अंकेक्षण का कार्य नियमित अथवा अनियमित रूप से वर्ष भर चालू रहता है, तो इसे कहा जाता है

(a) continuous audit/सतत अंकेक्षण
(b) statutory audit/वैधानिक अंकेक्षण
(c) internal audit/आन्तरिक अंकेक्षण
(d) interim audit/अन्तरिम अंकेक्षण

Ans. (a) : जब अंकेक्षण का कार्य नियमित अथवा अनियमित रूप से वर्ष भर चालू रहता है, तो इसे सतत् अंकेक्षण (Continuous Audit) कहा जाता है। अपेक्षाकृत बड़ी संस्थाओं तथा बैंक अथवा अन्य वित्तीय संस्थाओं में यह अंकेक्षण आवश्यक होता है। यह अंकेक्षण दैनिक साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक होता है।

119. "An auditor is not an insurer and all that he is required to do to exercise with reasonable care and skill." This decision was given in the case of
''एक अंकेक्षण बीमाकर्ता नहीं है और उसे जो कुछ करना है वह उचित देखभाल और कौशल के साथ करना है।'' यह निर्णय इस विवाद में दिया गया

(a) Kingston Cotton Mills Co. Ltd.
किंग्सटन कॉटन मिल्स कं. लि. के मामले में
(b) Allen Craig and Co.
ऐलेन क्रेग ऐन्ड कं. के मामले में
(c) London and General Bank
लंदन और जनरल बैंक के मामले में
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c) : लंदन और जनरल बैंक के मामले में यह निर्णय दिया गया कि ''एक अंकेक्षण बीमा कर्ता नहीं है और उसे जो कुछ करना है वह उचित देखभाल और कौशल के साथ करना है।''

120. Economic environment includes
आर्थिक पर्यावरण में सम्मिलित है

(a) saving/बचत
(b) investment/विनियोग
(c) price policies/मूल्य नीतियाँ
(d) all of the above/उपर्युक्त सभी

Ans. (d) : प्रत्येक अर्थव्यवस्था में उत्पादन, उपभोग, विनिमय, निवेश तथा वितरण की प्रक्रियाएँ चलती रहती हैं, जिन्हें अर्थव्यवस्था जीवन्त प्रक्रियाएँ या अनिवार्यताएँ कहा जाता है। इन्हीं जीवन्त प्रक्रियायों के परिणामस्वरूप आर्थिक संस्थाओं का निर्माण होता है। उत्पादन के लिए खेत, कारखाने, कार्यालय, खानें, विनिमय के लिए दुकानें सरकारी भण्डारण, वितरण बाजार, निवेश के लिए बैंकिग तथा वित्तीय संस्थाएं आवश्यक होती है। साथ में कानून, नियमों, प्रथाओं, प्रबन्ध के तरीकों और सामाजिक, आर्थिक सम्बन्ध, जैसे भूस्वामी तथा काश्तकार पूँजीपति एवं श्रमिक, उत्पादन एवं उपभोक्ताओं नियोक्ता एवं कार्मिक, बचत एवं विनियोग तथा मूल्य नीतियों इत्यादि को समग्र रूप से संस्थाएं कहा जाता है। इन्ही सब संस्थाओं को मिलाकर आर्थिक ढाँचा व आर्थिक पर्यावरण का निर्माण होता है।